हिन्दी सान्ध्य दैनिक

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष : 01 अंक : 293 : जौनपुर, मंगलवार 25 जुलाई 2023 सान्ध्य दैनिक (संस्करण) पेज – 4 मूल्य : 2 रूपया

उमर खालिद की जमानत याचिका पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई स्थगित

एजेन्सी

नयी दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को छात्र कार्यकर्ता उमर खालिद की जमानत याचिका पर सुनवाई स्थगित कर दी। उमर खालिद को 2020 के दिल्ली दंगों के पीछे कथित बड़ी साजिश के मामले में गैरकानूनी गतिविधियां रोकथाम अधिनियम के तहत गिरफ्तार किया गया था। न्यायमूर्ति एएस बोपन्ना और बेला एम त्रिवेदी की पीठ से याचिकाकर्ता के वकील ने सुनवाई पर एक सप्ताह की अवधि के लिए स्थगन की मांग की थी। इसके मद्देनजर सुनवाई को स्थगित कर दिया गया। शीर्ष अदालत की आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध जानकारी के अनुसार यह मामला 9 अगस्त को सूचीबद्ध होने की संभावना

है। उमर खालिद की याचिका के जवाब में दिल्ली पुलिस ने रविवार को जवाबी हलफनामा दायर किया था, जो अभी तक आधिकारिक तौर पर रिकॉर्ड पर प्राप्त नहीं हुआ है। इसके पहले सुप्रीम कोर्ट ने 12 जुलाई को मामले को 24 जुलाई के लिए पोस्ट कर दिया था। दिल्ली पुलिस के वकील ने हजारों पन्नों की चार्जशीट का हवाला देते हुए जवाब दाखिल करने का और समय मांगा था। उमर खालिद की ओर से पेश हुए वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल ने दलील दी थी कि वह आदमी दो साल और ग्यारह महीने से हिरासत में है। कौन सा शपथ पत्र दायर करने के लिए है? यह एक जमानत याचिका है। उमर खालिद ने दिल्ली उच्च न्यायालय द्वारा जमानत से इनकार के खिलाफ शीर्ष अदालत का दरवाजा खटखटाया है।

हाई कोर्ट के जस्टिस सिद्धार्थ मृदुल और रजनीश भटनागर की पीठ ने पिछले साल 18 अक्टूबर को नियमित जमानत की मांग करने वाली उमर खालिद की अपील खारिज कर दी थी। उमर खालिद ने ट्रायल कोर्ट के उस आदेश को चुनौती दी थी जिसने उन्हें यूएपीए मामले में जमानत देने से इनकार किया था। नागरिकता संशोधन अधिनियम (सीएए) और राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर (एनआरसी) के खिलाफ विरोध–प्रदर्शन के दौरान अमरावती में दिए गए कथित विवादित भाषण, दिल्ली दंगों के मामले में उमर खालिद के खिलाफ आरोपों का आधार थे। दिल्ली पुलिस के अनुसार दंगों से जुड़े कथित बड़े षड्यंत्र मामले में शामिल लगभग एक दर्जन लोगों में जेएनयू स्कॉलर और कार्यकर्ता उमर खालिद, शरजील इमाम शामिल हैं। बता दें फरवरी 2020 में राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में दंगे भड़क उठे थे। नागरिकता संशोधन अधिनियम विरोधी और सीएए समर्थक प्रदर्शनकारियों के बीच झड़प ने हिंसक रूप ले लिया था। जिसमें 50 से अधिक लोगों की जान चली गई और 700 से अधिक घायल हो गए थे।

मणिपुर मुद्दे पर संसद में हंगामा, तीसरे दिन भी बगैर काम काज के स्थगित हुई लोकसभा

एजेन्सी

नयी दिल्ली। लोकसभा में मणिपुर मुद्दे पर विपक्ष के भारी हंगामे के कारण सत्र के तीसरे दिन सोमवार को भी कोई कामकाज नहीं हुआ और तीन बार के स्थगन के बाद अध्यक्ष

ओम बिरला को सदन की कार्यवाही दिनभर के लिए स्थगित करनी पड़ी। लोकसभा की कार्यवाही चौथी बार ढाई बजे अध्यक्ष ओम बिरला ने जैसे ही शुरु की विपक्षी सदस्य पहले की तरह आसन के सामने आ गये और हंगामा तथा नारेबाजी करने लगे। हंगामा कर रहे सदस्य होथों में तख्तियां थीं। अध्यक्ष ने सदस्यों से हंगामा नहीं करने का आग्रह किया और कहा कि सदस्य दो–तीन दिन से लगातार मणिपुर मुद्दे पर चर्चा की बात कर रहे हैं इसलिए इस मुद्दे पर गृहमंत्री सदन में बात रखेंगे। गृहमंत्री अमित शाह ने कहा ''मेरा विपक्ष के सभी सदस्यों से आग्रह है। सत्ता पक्ष और विपक्ष के सदस्य इस अत्यंत संवेदनशील मुद्दे पर चर्चा की मांग कर रहे हैं। मैं सदन में चर्चा के लिए तैयार हूं। मालूम नहीं विपक्ष चर्चा क्यों नहीं चाहता है जबकि देश इस पर चर्चा चाहता है। विपक्षी सदस्यों से मेरा आग्रह है कि इस मुद्दे पर चर्चा हो ताकि देश के सामने स्पष्ट संदेश जाए। गृहमंत्री के बयान के बीच भी जब विपक्षी सदस्य नारेबाजी और टोकाटोकी करते रहे। अध्यक्ष बिरला ने कहा ''गृहमंत्री का बयान होने दिया जाए। सरकार चर्चा के लिए तैयार है। हमेशा ऐसे मुद्दों पर संबद्ध विभाग का मंत्री पहले बयान देते हैं लेकिन विपक्ष यहां नयी परंपरा शुरु करना चाहता है जो ठीक नहीं है। सरकार चर्चा के लिए तैयार है लेकिन विपक्ष चर्चा नहीं चाहता है।श्श हंगामा बढ़ता देख अध्यक्ष ने सदन की कार्यवाही दिनभर के लिए स्थगित कर दी। इससे पहले भोजनावकाश के बाद दो बजे जैसे ही पीठासीन अधिकारी राजेंद्र अग्रवाल को सदन की कार्यवाही शुरु की तो विपक्षी सदस्यों ने हंगामा शुरु कर दिया जिसके कारण उन्हें आधा घंटे के लिए सदन की कार्यवाही स्थगित करनी पड़ी। इससे पहले सुबह 11 बजे अध्यक्ष ने जैसे ही प्रश्न काल शुरु किया तो विपक्षी सदस्यों ने हंगामा शुरु करते हुए नारेबाजी आरंभ कर दी और सदस्य आसन के सामने आ गये।

सावन के तीसरे सोमवार शिवमय हुई संगमनगरी

एजेन्सी

प्रयागराज। सावन के तीसरे सोमवार को तीर्थराज प्रयाग शिवमय हो गया। शिवभक्त कांवडियों का जत्था गंगा के दशास्वमेध, रामघाट, दारागंज, फाफामऊ एवं संगम घाट पर स्नान कर कांवड में जल भरकर मनकामेश्वर महादेव, पांडेश्वर महादेव आदि शिवालयों में भक्त जलाभिषेक करने निकल पड़े। श्रद्धालु सुबह से हाथ में जल, फूल, माला, धतूरा, भांग, विल्वपत्र एवं शमी पत्र लेकर हर–हर महादेव और ऊं नमरू शिवाय का जप करते हुए संगम क्षेत्र में यमुना किनारे बने पौराणिक महत्व के मनकामेश्वर महादेव, शिवकोट में गंगा किनारे स्थित कोटेश्वर महादेव, पंड़िला में पांडेश्वर महादेव, प्रयागराज के शिवकुटी इलाके में स्थित'शिव कचहरी, शहर से 25

किलोमीटर दूर यमुना किनारे स्थित सुजावन देव मंदिर, दशाश्वमेध,तक्षकतीर्थ आदि शिवालयों में जलाभिषेक और पूजा–अर्चना करने के लिए भक्तों की कतारें देखने को मिलीं। सावन के तीसरे सोमवार को कोटेश्वर महादेव मंदिर पर सुबह से शिवभक्तों का पहुंचना शुरू हो गया। भोलेनाथ का जलाभिषेक कर बेलपत्र, फल–फूल, भांग, धतूरा आदि भोलेनाथ को अर्पित किए। वहीं महिलाओं ने भगवान भोलेनाथ के साथ मां गौरी की विधि–विधान से पूजा–अर्चना कर परिवार में सुख समृद्धि की कामना के लिए प्रार्थना की। अग्निपुराण में वर्णित अरैल, नैनी सोमेश्वर महादेव की अपनी महिमा है। यहां पर गौतम ऋषि से श्राप मिलने के बाद चंद्रदेव ने इस शिवलिंग की स्थापना की थी। यहां की मान्यता है कि सावन मास में लगातार एक माह तक इस शिवलिंग का जलाभिषेक और दर्शन करने से कुष्ठ रोग ठीक हो जाता है। इसके अलावा ब्रह्मा जी द्वारा स्थापित दशाश्वमेध घाट, घूरपुर के भीटा स्थित सुजावन देव, लालापुर स्थित मनकामेश्वर धाम, दरियाबाद स्थित तक्षकेश्वर महादेव की क्षेत्रीय मान्यता है। वैदिक शोध एवं सांस्कृतिक प्रतिष्ठान कर्मकाण्ड प्रशिक्षण केंद्र के आचार्य डा आत्माराम गौतम ने बताया कि हर तीन साल के बाद मलमास लगता है।

मणिपुर पर लोक सभा में हंगामे के बीच पेश हुए विधेयक, सदन स्थगित

एजेन्सी

नयी दिल्ली। मणिपुर पर चर्चा की मांग को लेकर सोमवार को दोपहर 12 बजे दोबारा लोक सभा की कार्यवाही शुरू होने पर भी हंगामा जारी रहा। विपक्षी दलों के हंगामे और नारेबाजी के बीच सरकार ने लोक सभा में तीन विधेयक–राष्ट्रीय दंत चिकित्सा आयोग विधेयक 2023, राष्ट्रीय नर्सिंग और प्रसूतिविद्या आयोग विधेयक 2023 और संविधान (अनुसूचित जातियां) आदेश (संशोधन) विधेयक 2023 को पेश कर दिया। इसके साथ ही सरकार ने सदन की सहमति से लोक सभा में डीएनए प्रौद्योगिकी (प्रयोग और लागू होना) विनियमन विधेयक, 2019 को वापस ले लिया है। इससे पहले 12 बजे लोक सभा की कार्यवाही दोबारा शुरू होने के साथ ही विपक्षी सांसद मणिपुर पर प्रधानमंत्री के बयान की मांग को लेकर बैनर लहराते हुए वेल में आकर नारेबाजी करने लगे।

योगी ने की धर्मस्थलों, सरकारी व सार्वजनिक संपत्तियों के संरक्षण की अपील

एजेन्सी

गोरखपुर। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को लोगों से धर्मस्थलों, सरकारी व सार्वजनिक संपत्तियों के संरक्षण की अपील की। गोरखनाथ मंदिर के तत्वावधान में अंधियारी बाग स्थित मानसरोवर मंदिर में आयोजित सात–दिवसीय (18 से 24 जुलाई) शिव महापुराण कथा के समापन सत्र को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा, ''दस–ग्यारह वर्ष पूर्व मानसरोवर मंदिर जर्जर और अव्यवस्थित था। समाज की चेतना जागृत हुई और गोरखपुर के श्रद्धालुओं ने संरक्षण का बीड़ा उठाया तो इसका कायाकल्प हो गया।श्श

उन्होंने कहा, हर धर्मस्थल, सरकारी व सार्वजनिक संपत्ति को सुंदर रखना सबका कर्तव्य होना चाहिए। यदि किसी सार्वजनिक संपत्ति

को कोई नुकसान पहुंचाता है तो वह धरती माता, अपनी विरासत व पूर्वजों के प्रति श्रद्धा और कृतज्ञता का भाव ईमानदारी से व्यक्त नहीं कर सकता। इसलिए इन स्थलों को न खुद नुकसान पहुंचाएं और न किसी को नुकसान पहुंचाने दें। योगी आदित्यनाथ ने कहा, ''वृहत्तर भारत में उत्तर से दक्षिण तथा पूरब से पश्चिम तक श्रद्धालुओं को द्वादश ज्योतिर्लिंगों के माध्यम से अलौकिक कृपा का प्रसाद आदिकाल से प्राप्त होता रहा है। हम 'कंकड़–कंकड़ में भगवान शंकर के दर्शन करते हैं। शिव की आराधना से हमें स्वयं के साथ दूसरों के कल्याण की प्रेरणा मिलती है। व्यासपीठ की पूजा करने के बाद उन्होंने कहा कि पावन श्रावण मास के शुक्ल पक्ष में देवाधिदेव महादेव भगवान शिव की कथा का आनंद प्राप्त करना सौभाग्य की बात है। शिव महापुराण कथा के समापन में सहभागिता से पहले गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ ने मानसरोवर मंदिर में रुद्राभिषेक कर सभी नागरिकों के मंगलमय जीवन की कामना की। भोलेनाथ का विधि विधान से दर्शन, पूजन व रुद्राभिषेक करने के उपरांत मुख्यमंत्री ने सभी देव विग्रहों का दर्शन पूजन कर लोक कल्याण की प्रार्थना की। योगी ने कथाव्यास संत बालकदास एवं सभी यजमानों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए देवाधिदेव महादेव से सभी लोगों के सुखमय व समृद्धमय जीवन की प्रार्थना की।

यमुना के बाद अब हिंडन भी उफान पर, कई गांवों में घुसा पानी, लाखों लोग हुए प्रभावित

एजेन्सी

नोएडा। यमुना नदी में जलस्तर लगातार बढ़ रहा है, इसके साथ–साथ हिंडन नदी का जलस्तर भी बढ़ने के चलते गाजियाबाद और नोएडा व ग्रेटर नोएडा के कई गांव में पानी भर गया है और लाखों लोग इससे प्रभावित हुए हैं। एहतियात के तौर पर प्रशासन ने हजारों घरों को भी खाली करवाया है और लोगों को सुरक्षित स्थान पर जाने के लिए पुलिस प्रशासन द्वारा लगातार अनाउंसमेंट की जा रही है। ग्रेटर नोएडा के हैबतपुर, चोटपुर, बहलोलपुर, यूसुफपुर चक शाहबेरी गांव में पानी पहुंचने से करीब 2.50 लाख लोग प्रभावित हुए हैं। प्रशासन ने अपनी ओर से हिंडन का जलस्तर बढ़ने का अलर्ट जारी किया है। वही यमुना का जलस्तर भी बढ़ रहा है। गाजियाबाद बैराज से हिंडन नदी में लगातार पानी छोड़ा जा रहा है और वहां खतरे का निशान 205.80 मीटर है। जबकि इस समय हिंडन का जलस्तर डाउनस्ट्रीम 200.85 मीटर है। गाजियाबाद बैराज से 22987 क्यूसेक पानी छोड़ा जा रहा है। शनिवार देर रात से हिंडन का जलस्तर बढ़ना शुरू हो गया था। रात में ही प्रशासन ने लाउडस्पीकर से घोषणा करना शुरू कर दिया था। रविवार सुबह तक जलस्तर काफी बढ़ गया और देखते ही देखते कई गांव में पानी पहुंच गया। सबसे ज्यादा पानी छीजारसी और चोटपुर गांव के मकानों में घुसा है। फिलहाल प्रशासन की तरफ से बताया गया है कि दो हजार मकानों को खाली करा लिया गया है और इन गांवों में कई स्कूलों को आश्रय स्थल बनाया गया है।

राजस्थान: विधानसभा से मार्शल आउट होने पर फूट-फूट कर रोए राजेंद्र गुढ़ा, बोले- मेरी लाल डायरी भी छीन ली

एजेन्सी

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत कैबिनेट में मंत्री पद से हटाए जाने के बाद सोमवार को कांग्रेस नेता राजेंद्र सिंह गुढ़ा को राजस्थान विधानसभा में प्रवेश नहीं करने दिया गया। वहीं इस दौरान पूर्व मंत्री राजेंद्र सिंह गुढ़ा मीडिया से बातचीत के दौरान फूट–फूट कर रोने लगे और आरोप लगाया कि लगभग 50 लोगों ने मुझ पर हमला किया, मुझे मुक्का मारा और लात मारी। रोते हुए गुढ़ा ने कहा कि उनसे लाल डायरी भी छीन ली गई। राजस्थान सीएम पर निशाना साधते हुए पूर्व मंत्री राजेंद्र गुढ़ा ने कहा कि अगर मैं नहीं होता तो गहलोत जेल में होते लेकिन उन्हें बर्खास्त करने से पहले सफाई का भी मौका नहीं दिया गया। राजेंद्र सिंह गुढ़ा ने कहा कि कांग्रेस नेताओं ने मुझे विधानसभा से बाहर खींच लिया। राजस्थान विधानसभा के अध्यक्ष ने मुझे बोलने की अनुमति भी नहीं दी। मेरे खिलाफ आरोप लगाए गए कि मैं भाजपा के साथ हूं। मैं जानना चाहता हूं कि मेरी गलती क्या है?श गुढ़ा ने कहा कि उन्होंने माफी मांगने के बजाए संघर्ष करने का फैसला किया है। साथ ही गुढ़ा ने कहा कि वह कथित लाल डायरी के बारे में खुलासा करेंगे। गुढ़ा ने कहा, ''मैंने माफी मांगने के बजाय संघर्ष करने का रास्ता चुना है। मुझे किस बात के लिए माफी मांगनी चाहिए? मैंने महिला सुरक्षा के लिए आवाज उठाई है। गुढ़ा ने शुक्रवार को विधानसभा में महिला अत्याचार के मुद्दे पर अपनी ही सरकार को घेरा तो उसी रात मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने उन्हें मंत्री पद से बर्खास्त कर दिया। गुढ़ा के पास सैनिक कल्याण (स्वतंत्र प्रभार), होम गार्ड एवं नागरिक सुरक्षा (स्वतंत्र प्रभार), पंचायती राज एवं ग्रामीण विकास विभाग था। उन्होंने कहा कि उन्हें इस्तीफा देने के लिए कहने के बजाय सीधे बर्खास्त कर दिया गया। उन्होंने कहा, ''अगर आपने(गहलोत ने) मुझसे इस्तीफा देने के लिए कहा होता तो मैं इस्तीफा दे देता...आपको फोन करना चाहिए था और नोटिस देना चाहिए था।

मणिपुर हिंसा पर राज्यसभा को जानकारी दें पीएम, सदन में चर्चा और वोटिंग हो : खरगे

एजेन्सी

नयी दिल्ली। मणिपुर मामले को लेकर राज्यसभा और लोकसभा में सत्ता पक्ष व विपक्ष के बीच लगातार टकराव की स्थिति बनी हुई है। इसी के चलते मानसून सत्र में अभी तक संसद की कार्रवाई एक भी दिन सुचारू रूप से नहीं चल सकी है। विपक्ष का कहना है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मणिपुर हिंसा को लेकर सदन में अपना बयान रखें, उस बयान पर हम सभी लोग चर्चा करेंगे। चर्चा के बाद इस मुद्दे पर वोटिंग भी कराई जाए।सोमवार को यह बात कांग्रेस अध्यक्ष व राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मलिकार्जुन खरगे ने कही। संसद में गांधी प्रतिमा के समीप अन्य विपक्षी सांसदों के साथ धरना दे रहे खरगे ने कहा कि जब संसद या विधानसभा का सत्र चल रहा होता है तो ऐसी स्थिति में मुख्यमंत्री या प्रधानमंत्री सदन के बाहर बयान नहीं देते। उन्होंने कहा कि यह पहली बार है जब बयान संसद के बाहर दिया गया। हमारी मांग है कि प्रधानमंत्री संसद के भीतर मणिपुर हिंसा की पूरी जानकारी व बयान दें।

दरअसल, सरकार व राज्यसभा के सभापति शॉर्ट ड्यूरेशन डिस्कशन के लिए राजी हैं। खरगे ने इस पर अपनी नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा कि वह कभी आधा घंटा कभी शॉर्ट ड्यूरेशन डिस्कशन की बात कहते हैं। लेकिन हम चाहते हैं कि नियम संख्या 267 के अंतर्गत सदन में चर्चा कराई जाए। इसके अंतर्गत चर्चा 4 घंटे की भी हो सकती है, उससे अधिक समय भी लिया जा सकता है या पूरा एक दिन भी इस चर्चा को दिया जा सकता है। कांग्रेस का कहना है कि मणिपुर में हुई हिंसा पर चर्चा के लिए विपक्ष की यह मांग स्वीकार की जानी चाहिए। इसी टकराव के कारण राज्यसभा में सोमवार को भी मणिपुर हिंसा के मुद्दे पर जबरदस्त हंगामा हुआ। इस दौरान आम आदमी पार्टी के सांसद संजय सिंह को शेष बचे पूरे मानसून सत्र के लिए राज्यसभा से सस्पेंड किया गया है। विपक्ष का कहना है।

मनी लॉन्ड्रिंग केसः एससी से सत्येंद्र जैन को राहत, पांच हफ्ते के लिए और बढ़ी अंतरिम जमानत

एजेन्सी

नयी दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने मनी लॉन्ड्रिंग के एक मामले में दिल्ली के पूर्व मंत्री सत्येन्द्र जैन की अंतरिम जमानत की अवधि सोमवार को पांच हफ्ते के लिए बढ़ा दी। इस मामले की जांच प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) कर रहा है। जस्टिस ए. एस. बोपन्ना और जस्टिस बेला एम. त्रिवेदी की पीठ को जैन की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक सिंघवी ने सूचित किया कि 21 जुलाई को उनकी रीढ़ की हड्डी की सर्जरी हुई थी और उन्हें ठीक होने के लिए समय चाहिए। ईडी की ओर से पेश अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल एस. वी. राजू ने कहा कि वह अंतरिम जमानत बढ़ाने का विरोध नहीं कर रहे हैं। राजू ने कहा कि जांच एजेंसी चाहती है कि अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) या किसी अन्य अस्पताल द्वारा जैन के स्वास्थ्य के संबंध में स्वतंत्र जांच का अनुरोध करने वाले उसके आवेदन पर अगली तारीख पर सुनवाई हो। पीठ ने मामले की सुनवाई पांच सप्ताह बाद तय की।

यमुना का जलस्तर फिर खतरे के निशान से ऊपर, 'ओल्ड रेलवे ब्रिज रेल यातायात के लिए बंद

एजेन्सी

नयी दिल्ली। यमुना नदी का जलस्तर सोमवार सुबह खतरे के निशान 205.33 मीटर से एक मीटर से अधिक ऊपर रहा, जिसके कारण प्राधिकारियों ने 'ओल्ड रेलवे ब्रिजश (ओआरबी) पर रेलगाड़ियों का आवागमन रोक दिया। ओआरबी पर नदी का जलस्तर 13 जुलाई को 208.66 मीटर के अब तक के सर्वाधिक ऊंचे स्तर पर पहुंचने के बाद कुछ दिन से खतरे के निशान के आसपास है। उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश में भारी बारिश के बाद हथिनीकुंड बैराज से नदी में पानी छोड़े जाने के बाद यमुना का जलस्तर खतरे के निशान से ऊपर चला गया था। रेलवे के एक अधिकारी ने बताया कि ओआरबी पर रेलगाड़ियों का परिचालन यमुना के जलस्तर में बढ़ोतरी के कारण निलंबित कर दिया गया है। अधिकारी ने कहा, ''दिल्ली और शाहदरा के बीच मार्ग बंद रहेगा और रेलगाड़ियों को नयी दिल्ली के रास्ते भेजा जाएगा।श्श अधिकारियों के मुताबिक, नदी के जलस्तर में वृद्धि से राष्ट्रीय राजधानी के बाढ़ प्रभावित निचले इलाकों में राहत एवं पुनर्वास के काम पर असर पड़ सकता है। केंद्रीय जल आयोग (CWC) के आंकड़ों के अनुसार, यमुना का जलस्तर शनिवार रात 10 बजे 205.02 मीटर से बढ़कर रविवार देर रात तीन बजे 206.57 मीटर पर पहुंच गया।, जिसके बाद इसमें गिरावट आने लगी। आंकड़ों के मुताबिक, जलस्तर सोमवार सुबह आठ बजे 206.54 मीटर दर्ज किया गया, जिसके अपराह्न दो बजे तक गिरकर 206.42 मीटर पहुंचने की संभावना है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने 25 जुलाई तक हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड के कुछ हिस्सों में भारी से बहुत भारी बारिश होने का अनुमान जताया है। ब्ब के आंकड़ों के मुताबिक, यमुनानगर स्थित हथिनीकुंड बैराज में जल प्रवाह की दर शनिवार सुबह 9 बजे एक लाख के आंकड़े के पार चली गई।

सम्पादकीय

दावानल बनी मणिपुर हिंसा

उत्तर पूर्व के संवेदनशील राज्य मणिपुर में पिछले तीन महीनों से जारी हिंसा के खिलाफ केन्द्र व राज्य दोनों ही सरकारों के द्वारा वक्त पर कार्रवाई न करने और बेहद लापरवाहीपूर्ण रवैये का परिणाम आज इस रूप में सामने आ गया है कि यह आग अब दावानल बन चुकी है। मणिपुर में बिगड़े हालत पिछले सप्ताह जगजाहिर हुए जब एक वीभत्स वीडियो सामने आया था। भला हो सुप्रीम कोर्ट का जिसने स्वतरू संज्ञान लेकर केन्द्र सरकार से 8 दिनों में जवाब मांगा है। उस दिन संसद का सत्र प्रारम्भ होने के पहले पिछले 9 वर्षों से मीडिया से बचने वाले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को बयान देना पड़ा कि श्वे इस मामले को लेकर क्रोध व पीड़ा से भर गये हैं और किसी भी दोषी को बख्शा नहीं जायेगा।श प्रधानमंत्री को बयान इसलिये देना पड़ा क्योंकि शीर्ष अदालत ने साफ कहा कि श्वीडियो परेशान करने वाले हैं। अगर सरकार कार्रवाई नहीं करती तो वह कोर्ट कोई कदम उठायेगी।श इतना बवाल कटने पर भी अब तक 4 लोग ही गिरफ्तार हुए हैं। करीब 80 दिनों की चुप्पी के बाद श्री मोदी ने संसद के भीतर विस्तृत वक्तव्य देने की बजाय संसद भवन के बाहर मामले पर केवल 36 सेकंड का बयान देकर बतला दिया कि पूरे विश्व के सामने देश को शर्मसार करने वाली घटनाओं के प्रति वे न तो संजीदा हैं और न ही इसका सियासी लाभ लेने में चूकेंगे। अपनी जिम्मेदारियों से बचते हुए मोदी ने इसे श्140 करोड़ जनता के लिये शर्मनाकश बताया। पद की प्रतिष्ठा व गरिमा के एकदम प्रतिकूल प्रधानमंत्री ने बड़े हल्केपन से यह भी कहा कि श्छत्तीसगढ़ हो या राजस्थान अथवा मणिपुर, कहीं भी ऐसी हिंसा ठीक नहीं है।श यह दुखद है क्योंकि इन दोनों प्रदेशों (छग–राज.) के हालात ऐसे बिलकुल नहीं है जिनकी मणिपुर से तुलना हो। दरअसल इन दोनों कांग्रेस शासित राज्यों में चुनाव होने जा रहे हैं जहां भाजपा कमजोर स्थिति में है। अपनी नाकामी को ढंकने के साथ हिंसक घटनाओं का दोनों राज्यों में चुनावी लाभ लेने का यह कुटिल प्रयास है। मणिपुर की सीमा म्यांमार से भी लगती है जहां सैन्य शासन है और वह चीन के प्रभाव में जा रहा है। इस राज्य के रणनीतिक महत्व और मामले की संजीदगी को समझे बिना संसद के बाहर मोदी की ट्रोल आर्मी के सदस्यगण, पूर्व केन्द्रीय मंत्री रविशंकर प्रसाद, मंत्री द्वय स्मृति ईरानी, अनुराग ठाकुर आदि विपक्ष व खासकर कांग्रेस पर टूट पड़े। वैसे भाजपा की नेता उमा भारती ने समझदारी दिखलाते हुए कहा है कि श्दो गलत काम मिलकर एक सही नहीं हो सकते। पिछले कुछ समय से नरेन्द्र मोदी व भारतीय जनता पार्टी का तेजी से गिरता ग्राफ तथा सतत मजबूत होती विपक्षी एकता इस झल्लाहट का राज है। यूरोपियन यूनियन (ईयू) की संसद में तो यह मामला उठा ही था, अब ब्रिटिश पार्लियामेंट ने भी चिंता जताई है कि मणिपुर में सैकड़ों चर्च जलाये गये हैं व हिंसा हो रही है। देश में अल्पसंख्यकों के खिलाफ बढ़ती हिंसा और लोगों की धार्मिक आजादी को बाधित करने को लेकर पश्चिमी देशों में भारत की जमकर आलोचना हो रही है। अपनी पिछली विदेश यात्राओं के दौरान भी श्री मोदी को इन सवालों के जवाब देने पड़े हैं। यह अलग बात है कि श्री मोदी, उनकी सरकार और पार्टी को इसके बावजूद धार्मिक–सामाजिक ध्रुवीकरण के चक्कर में मणिपुर की हिंसा को मौन समर्थन दे रहे हैं। मणिपुर में 4 मई जैसी ही एक और घटना की खबर मिल रही है। मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह पहले ही मान चुके हैं कि ऐसे सैकड़ों मामले वहां हो चुके हैं। वहां की राज्यपाल सुश्री अनुसूईया उइके भी एक समाचार चौनल को बतला चुकी हैं कि राज्य की परिस्थितियां डरावनी हैं और वे इसकी सूचना श्ऊपर वालोंश को पहले ही दे चुकी थीं। दूसरी ओर मणिपुर के बहुसंख्यक मैतेई मिजोरम में असुरक्षित महसूस कर रहे हैं। करीब 10 हजार मैतेई मणिपुर व असम लौट गये हैं क्योंकि वहां के पूर्व उग्रवादी संगठन श्पामराश ने मैतेइयों को श्सतर्कश रहने को कहा है। यानी हिंसा की सघनता व विस्तार दोनों जारी है। मणिपुर की राज्य समर्थित हिंसा दावानल बन चुकी है। यह अपने उद्गम स्थल मणिपुर में तो सघन हो ही रही है, उसकी दहशत पड़ोसी राज्य मिजोरम तक पसर रही है। इस हिंसा का राज्य में पूर्ण शमन तो जरूरी है ही, उसका विस्तार भी रूकना चाहिये।

मणिपुर की आहट मिजोरम तक

सबसे पहले हर भारतवासी को यह स्पष्ट होना चाहिए कि पूर्वोत्तर के राज्य भारत माता का ऐसा उज्ज्वल माथा हैं जिसके हर हिस्से के हर राज्य ने प्रत्येक परिस्थिति में राष्ट्र की सुरक्षा में आहुति देने मे जरा भी हिचकिचाहट नहीं दिखाई है। चीन की सीमा से सटे ये राज्य भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा की अग्रिम पंक्ति रहे हैं अतः इनमें पूर्ण शान्ति व सौहार्द बनाये रखने के लिए 1947 से ही भारत की हर केन्द्र सरकार ने गंभीर प्रयास किये हैं और इन राज्यों की उग्रवाद व चरमपंथी समस्याओं का निपटारा भी किया है। 2013 तक पूर्वोत्तर के हर राज्य से चरमपंथ या उग्रवाद की समस्या सफलतापूर्वक समाप्त कर दी गई थी और सभी राज्यों के लोग अपने लोकतान्त्रिक अधिकारों का प्रयोग करके अपनी चुनी हुई सरकारों के माध्यम से अपना विकास कर रहे थे। परन्तु विगत मई महीने के शुरू में इन्ही राज्यों में से एक मणिपुर में यहां की दो जनजातियों मैतई व कुकी–जोमो के बीच जो संघर्ष छिड़ा उससे यह राज्य अब गृहयुद्ध की स्थिति में पहुंचता जा रहा है क्योंकि मई से लेकर अब तक जनजातीय संघर्ष में डेढ़ सौ से अधिक लोग मर चुके हैं और साठ हजार से अधिक शरणार्थी शिविरों में रह रहे हैं। यह कानून–व्यवस्था का मुद्दा नहीं बल्कि राज्य के दो प्रमुख समुदायों के बीच सीधे खूनी संघर्ष का सवाल है जिसकी छाया अब करीब के दूसरे पूर्वोत्तर

राज्यों पर भी पड़ती दिखाई दे रही है। जब किसी भी राज्य के दो समुदायों के बीच अविश्वास पैदा हो जाता है तो वह राज्य और उसकी पूरी प्रशासनिक व्यवस्था अराजकता की स्थिति मे पहुंच जाती है। मणिपुर में हम यही देख रहे हैं। हमें याद रखना चाहिए कि इन्ही राज्यों में से एक 'सिक्किम' का भारतीय संघ में विलय 1973 के करीब तत्कालीन प्रधानमन्त्री श्रीमती इन्दिरा गांधी ने जब किया था तो यहां के लोगों में खुशी की लहर दौड़ गई थी। उससे पहले सिक्किम एक स्वतन्त्र राजतन्त्र था जिसके प्रमुख चौग्याल थे। सिक्किम आज चीन की नाथूला सरहद का प्रहरी है। सभी पूर्वोत्तर राज्यों की आबादी भी बहुत अधिक नहीं है क्योंकि प्रायः ये सभी पहाड़ी राज्य है और इनमें अधिसंख्य आदिवासी लोग रहते हैं जो विभिन्न कबीलों की संस्कृति से चलते हैं। इनमें से अकेला राज्य नागालैंड ऐसा था जिसमें अंग्रेजी शासनकाल से ही विद्रोही गतिविधियां चल रही थीं। स्वतन्त्र होने के बाद भारत की सरकारों ने इस समस्या का हल भी ढूंढा और 1966 में सभी पूर्वोत्तर राज्यों के समाहित प्रदेश असम को सात राज्यों में विभाजित किया। ऐसा इसलिए किया गया जिससे हर इलाके की आदिवासी व कबीला संस्कृति अपने रंग–रूप में फल–फूल सके। पूरे पूर्वोत्तर में सभी जनजाति के लोग एक–दूसरे के साथ प्रेमभाव के साथ रहते थे और एक– दूसरे की परंपराओं व रीति–रिवाजों का सम्मान भी करते थे। परन्तु मणिपुर में आज जो हम देख रहे हैं उसके लिए हम स्वयं ही जिम्मेदार हैं क्योंकि इस राज्य के आदिवासी व गैर आदिवासी लोगों के बीच बढ़ते अविश्वास को हमने कम करने का प्रयास नहीं किया। 2012 में पहली बार मैतई समाज के लोगों ने मांग की कि उन्हें भी जनजाति का दर्जा दिया जाये। देश में बाजार मूलक अर्थव्यवस्था का दौर चरम पर होने की वजह से राज्य की 53 प्रतिशत आबादी वाला मैतई समाज केवल 10 प्रतिशत भूमि पर घाटी के इलाकों में रहता था जबकि 40 प्रतिशत आबादी वाला कुकी–जोमी समाज 90 प्रतिशत पहाड़ी इलाके में संविधान में मिले अपने विशेष अधिकारों के साथ रहता है। पूरे पूर्वोत्तर में आदिवासी लोगों को सभ्य बनाने के लिए ईसाई मिशनरियों ने अंग्रेजी शासनकाल के दौरान ही प्रयास किये और इसके साथ ईसाई धर्म भी वहां फैलता गया। इसलिए मणिपुर में मैतई–कुकी संघर्ष के चलते पहाड़ों पर स्थित कम से कम ढाई सौ चर्च या गिरिजाघर भी जला दिये गये जिससे इस संघर्ष को साम्प्रदायिक आयाम भी मिल गया क्योंकि 80 प्रथिशत मैतई समाज हिन्दू धर्म को मानता है। सबसे खतरनाक काम यही हुआ कि यह साम्प्रदायिक रंग में रंग गया जिसके असर से अब पूर्वोत्तर के दूसरे राज्य भी प्रभावित हो रहे हैं। मिजोरम की राजधानी एजोल में सरकारी दफ्तरों से लेकर स्कूलों, कालेजों व निजी कम्पनियों में मैतई समाज के लोग काम करते हैं। इन्हें मिजो नेशनल फ्रंट ने चेतावनी दी है कि वे उनके राज्य से बाहर चले जायें। इसके साथ ही मिजोरम के मिजो जनजाति लोगों के साथ कुकी–जोमी जनजाति के लोगों की बहुत समानता भी रही है। इस वजह से मैतई समुदाय के लोगों को एजोल से हवाई जहाज से वापस मणिपुर लाने के लिए यहां की राज्य सरकार ने हामी भर दी है। क्या यह उस भारत का चित्र है जिस भारत के विभिन्न राज्यों में दूसरे राज्यों के लोग रोजी–रोटी कमाने जाते हैं? संविधान कहता है कि इस देश का कोई भी नागरिक किसी भी राज्य में जाकर बस सकता है और अपना काम–धंधा कर सकता है। इन्ही पूर्वोत्तर के राज्यों में आज भी हजारों मारवाड़ी व्यापारी कार्यरत हैं (बेशक कुछ संरक्षण संविधान ने स्थानीय लोगों को दिये हुए हैं)। गंभीर सवाल यह है कि यदि पूर्वोत्तर के राज्यों में साम्प्रदायिक आधार और आदिवासी व गैर आदिवासी आधार पर हिंसा फैलने लगी तो हमारी राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए भी समस्या हो सकती है। मणिपुर का मसला इसके साथ ही जो अन्तर्राष्ट्रीय आयाम ले रहा है वह भी भारत की साख के लिए बहुत चिन्ताजनक है क्योंकि मणिपुर की समस्या मूलतः मानवीय समस्या ही है जिसमें एक मनुष्य दूसरे मनुष्य के खून का प्यासा बना हुआ है। यूरोपीय संघ की संसद से लेकर ब्रिटेन की संसद तक में इस पर चर्चा हो रही है।

आधुनिकता की दौड़ में विस्मृत होती सनातनी परंपराएंस त्रिशंकु बनकर लटक रहे हैं

संजीव ठाकुर

वर्तमान में आधुनिकता की अंधी दौड़ में हम इस तरह तेज भाग रहे हैं कि हमारी सनातनी परंपराएं धीरे–धीरे पीछे छूट रही हैं और हम आधुनिकता तथा परंपराओं के बीच त्रिशंकु बंद कर लटक रहे हैं। भारतीय संस्कृति हमें अपने भारतीय होने का एहसास कराती है। जो हमें विश्व के अन्य देशों से विकास की दौड़ में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करती है। भारत में अनेक परंपराएं ऐसी हैं जो सामाजिक जीवन को अधिक सभ्य एवं अच्छा इंसान बनाए रखने में योगदान देती है। जिनसे मनुष्यता का जीवन जीने की प्रेरणा भी मिलती है। यांत्रिक उपकरणों की तरह जिंदगी जीना भी कोई जीना है। यह भारतीय संस्कृति में पाश्चात्य का घालमेल ही है जो मनुष्य के जीवन को यंत्रवत बना देता है। जो आने वाले कल के लिए घातक भी हो सकती है। वहीं दूसरी ओर पाश्चात्य दर्शन की कुछ विशेषताएं भी हैं, जो हमारे विचारों को अधिक तार्किक तथा बौद्धिक बनाती है। जिससे हम अपना जीवन कार्तिक तथा बौद्धिक बना सकते हैं। जिन्हें हम अपने जीवन में क्रियान्वित कर अपने मनुष्य जाति के जीवन को अधिक सार्थक एवं सुलभ बना सकते हैं। निसंदेह हमें रूढ़ीवादी या एकदम पुरातन पंथी संस्कृति से लगाव न रखकर पाश्चात्य संस्कृति के जो फायदे हैं, उन्हें अपनाकर अपना जीवन सरल सार्थक एवं सुगम बना सकते हैं। परंतु आज वर्तमान में हमने पश्चिम दर्शन से खोखला आधुनिकवाद ओढ़ लिया है ,हम ना अत्यंत आधुनिक ही हो सके हैं और ना ही सही–सही संस्कारित परंपरावादी ही बन पाए हैं हम हम पाश्चात्य दर्शन और भारतीय संस्कार और परंपरा के बीच त्रिशंकु बन कर झूल रहे हैंस विवेकानंद जी ने कहा है कि वीणा के तार को ईतना भी ना कसो कि वह टूट जाए, और इतना भी ढीला छोड़ो कि वह बज भी ना पाए, मूलतः हमें दोनों संस्कृतियों की समग्र अच्छाइयों को आत्मसात कर उनकी बुराइयों को त्यागना होगा तब ही जीवन सफल हो सकेगा। भारतीय संस्कृति अध्यात्म प्रधान है। जबकि पश्चिमी सभ्यता भौतिकता लिए होती है, और उसमें भौतिकता की प्रधानता होती है। आध्यात्मिक प्रधान संस्कृति से तात्पर्य भौतिकता वादी दृष्टिकोण से दूर रहकर भौतिकता वादी होने का ही है। प्राचीन काल से ही भारत देश में अतिथि देवो भव और वसुधैव कुटुंबकम वाली संस्कृति रही है। भारत की सांस्कृतिक धरोहर, विश्वास, भावना,आस्था, धर्म, रीति रिवाज जैसे तथ्यों से भरी पड़ी है। धर्म प्रधान संस्कृति होने के कारण ही इसे आध्यात्मिक प्रवृत्ति वाला देश माना गया है। स्वामी रामकृष्ण परमहंस के शब्दों में यदि कहें तो ईश्वरत और त्याग पर्यायवाची शब्द है। संस्कृति और सदाचार उसकी बाह्य अभिव्यक्तियाँ है। परंपरागत दृष्टिकोण से हम अपने धार्मिक तथा अध्यात्मिक दर्शन को लेकर बहुत हद तक अपने आप को एवं देश को महिमामंडित करने में लगे रहते हैं। किंतु आज आवश्यकता इस बात की है कि हमें पूर्ण रूप से आध्यात्मिक ना होकर वैज्ञानिक दृष्टिकोण अपनाकर इस तथ्य का मूल्यांकन किया जाना चाहिए कि 21 सदी में पांचवी एवं छठवीं सदी की मान्यताएं तथा परंपराएं जारी रख उन्हें अपना सकते हैं क्या?, आज जब दुनिया वैज्ञानिक चमत्कारों से भरी पड़ी है। दुनिया विज्ञान की प्रगति से चांद तो क्या सूर्य को भी खंगालने का प्रयास कर रही है। मानव का क्लोन बनाकर ईश्वर की सत्ता को चुनौती देने का प्रयास किया जा रहा है। ऐसे में धार्मिक संस्कृति तथा आध्यात्मिकता को आवश्यकता से अधिक महत्व एवं परंपरा में लाना प्रासंगिक एवं तार्किक होगा। निसंदेह नहीं। पाश्चात्य दर्शन भौतिकता प्रधान एवं वैज्ञानिक संस्कृति है। भौतिकता प्रधान युग से तात्पर्य ऐसी परंपरा जो यथार्थवादी दृष्टिकोण को सर्वाधिक महत्व देती है। वैसे ही भौतिकता का सामान्य मतलब इंद्रिय बोध से साक्षात संबंध रखने वाली वस्तु से है, अर्थात जो वास्तविकता है एवं यथार्थ है वही पाश्चात्य दर्शन है। पाश्चात्य संस्कृति को इसलिए भी वैज्ञानिक एवं वस्तु परख माना जाता है क्योंकि इसमें सूक्ष्म जांच पड़ताल कर वस्तु स्थिति का सही मूल्यांकन अपनाकर एक सामान्य सिद्धांत एवं नियम बनाया जाता है। जिससे भविष्य की बातों को जानकर जीवन को और अच्छा तथा बेहतर बनाने में मदद मिल सके।

वैसे पाश्चात्य संस्कृति में बहुत सी अहितकर बातें भी हैं, जैसे वसुधैव कुटुंबकम की भावना कमतर होते जा रही है। संयुक्त परिवार की प्रणाली का विघटन होते जा रहा है। पारिवारिक वातावरण संघर्ष तथा तनावपूर्ण होते जा रहा हैं। पाश्चात्य संस्कृति की नकल कर लोग परिवार से अलग होकर स्वतंत्र जीवन यापन करना पसंद करते हैं। उनमे विवाह विच्छेद और अन्य विसंगतियां जन्म लेने लगी हैं। धर्म तथा आध्यात्मिक के प्रति आमजन की सूची धीरे धीरे कम होते जा रही है। ऐसो आराम के सामान खरीदने के कारण लोगों के खर्चे अनाप–शनाप बढ़ चुके हैं। बुजुर्गों की इज्जत तवज्जो होनी कम हो गई है। दादा और नाती के संबंधों में अब वह गर्माहट शेष नहीं रह गई है, जैसी की एक सांस्कृतिक तथा नैतिक परिवार जनों में हुआ करती थी। धीरे–धीरे परिवार के सदस्य अलग होकर अकेलेपन की समस्या से जूझ रहे हैं। आने वाली पीढ़ी अपनी संस्कृति एवं आध्यात्मिक प्रवृत्ति भूलती जा रही है। प्रेम विवाह तथा अंतर जाति विवाह पाश्चात्य सभ्यता के कारण बहुत बढ़ गए हैं। जिससे वैवाहिक संबंध टूटने के कगार पर आ जाते हैं। पर दूसरी तरफ पाश्चात्य सोच के कारण स्त्री सशक्तिकरण को बढ़ावा भी मिला है महिलाएं जहां पहले अपने घरों में कैद थी अब उन्मुक्त होकर शिक्षित होकर समाज में सफल होकर पुरुषों से कंधे से कंधा मिलाकर व्यवसायिक दृष्टिकोण अपनाकर बड़े–बड़े पदों में कार्य कर रही हैं। समाज में खुलापन भी आ गया है। विकास रोजगार एवं मानवीय सोच में भी काफी विस्तार आया है, जो विश्व की सभ्यताओं में आज मौजूद है,जो भारत के विकास में सहायक भी हैं। कुल मिलाकर बात यह है कि हमें आध्यात्मिक भारतीय परंपरा संस्कृति तथा पाश्चात्य दर्शन तथा पाश्चात्य संस्कृति की सकारात्मक बातें आत्मसात कर विकास की एक नई राह खोजनी होगी, एवं सदैव अच्छी बातों के लिए अपने मस्तिष्क को खुला रखना होगा और पाश्चात्य संस्कृति की विसंगतियों को दूर रख भारतीय संस्कृति को बढ़ावा देना चाहिए।

त्वरित फैसले जरूरी

यह हमारे नीति–नियंताओं के लिये बेहद गंभीर चिंता का विषय होना चाहिए कि देश की विभिन्न अदालतों में लंबित मुकदमों की संख्या पांच करोड़ का आंकड़ा पार कर गई है। केंद्र सरकार द्वारा गुरुवार को राज्यसभा में बताया गया कि शीर्ष अदालत में सत्तर हजार, उच्च न्यायालयों में साठ लाख से अधिक तथा जिला और अधीनस्थ अदालतों में 4.4 करोड़ से अधिक मामले लंबित हैं। निस्संदेह, लंबित मामलों में वृद्धि के अनेक कारण हैं। जिनमें न्यायाधीशों और न्यायिक अधिकारियों की अपर्याप्त संख्या, मामलों के निपटान के लिये निर्धारित समय सीमा का अभाव, बार–बार स्थगन और सुनवाई मामलों की निगरानी व ट्रैक करने के लिये प्रभावी व्यवस्था की कमी प्रमुख हैं। इसके बावजूद इन मुकदमों के लंबित होने के मुख्य कारण को भी तलाशना जरूरी है ताकि न्याय की राह सुगम हो। विगत में पूर्व मुख्य न्यायाधीश एन.वी. रमना ने देश की अदालतों में मुकदमों की लंबी फेहरिस्त के लिये विधायी कर्मियों के साथ–साथ कार्यपालिका की निष्क्रियता को भी दोषी ठहराया था। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2019 में पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय ने देश की विभिन्न अदालतों में पचास फीसदी से अधिक लंबित मुकदमों के लिये राज्य मशीनरी की चूक या लापरवाही को जिम्मेदार ठहराया था। वहीं दूसरी ओर केंद्र सरकार की दलील है कि अदालतों में लंबित मामलों का निस्तारण न्यायपालिका का कार्यक्षेत्र है। बहरहाल, तार्किक बात तो यह है कि सभी पक्षों को मिलकर मुकदमों का भारी–भरकम बोझ दूर करने के लिये दृढ़ इच्छाशक्ति का परिचय देना चाहिए। निस्संदेह, सरकारों के स्तर पर भी नियुक्तियों को लेकर की जाने वाली देरी को भी बड़ी बाधा के तौर पर देखा जाता रहा है। इसमें दो राय नहीं कि न्यायाधीशों की रिक्तियों को भरने में होने वाली देरी से न्याय की राह में बाधा उत्पन्न होती है। यह भी हकीकत है कि उच्च न्यायपालिका में न्यायाधीशों की नियुक्ति कार्यपालिका और न्यायपालिका के सहयोग से चलने वाली प्रक्रिया है। भारतीय लोकतंत्र के इन दोनों महत्वपूर्ण घटकों को यह सुनिश्चित करने की आवश्यकता है कि न्यायाधीशों के स्वीकृत पदों और सेवारत न्यायाधीशों के अंतर को अविलंब दूर किया जाये। साथ ही अनुशंसित नामों को अंतिम रूप देने की प्रक्रिया से जुड़े मतभेदों का समय रहते निराकरण किया जाये। वहीं दूसरी ओर जांच एजेंसियों की कार्यशैली को लेकर भी सवाल उठते रहे हैं। जांच एजेंसियों और अभियोजन पक्ष की ओर से शिथिलता और अक्षमता के सवाल पर ध्यान देने की जरूरत है। वहीं एक पहल विधायिका के स्तर पर भी अपेक्षित है कि ऐसे पुराने कानूनों को केंद्र व राज्य स्तर पर खत्म करने की पहल की जाये जो छोटे मुकदमों को बढ़ावा देने में भूमिका निभाते हैं। बहरहाल, ऐसे तमाम पहलुओं पर विचार किया जाना चाहिए जो मुकदमों को लंबित बनाते हैं। वहीं एक तर्क यह भी दिया जाता है कि समाज में जागरूकता आने से लोग अपने अधिकारों को हासिल करने के लिये न्यायालयों में अधिक पहुंच रहे हैं। बहरहाल, न्याय वास्तव में न्याय की कसौटी पर खरा उतरना भी चाहिए।

एक-दूसरे को नीचा दिखाने वाली राजनीति

संजय गुप्त

मणिपुर उच्च न्यायालय की ओर से राज्य के मैती समुदाय को जनजाति का दर्जा देने पर विचार करने के आदेश के बाद कुकी और इस समुदाय के बीच शांति–सद्भाव अचानक भंग हो गया और वहां मई के पहले सप्ताह में हिंसा भड़क उठी। यह हिंसा दो माह बाद भी पूरी तौर पर शांत नहीं हो सकी है। इस हिंसा के दौरान कुकी और मैती, दोनों ने एक–दूसरे पर हमले किए, उनके घर लूटे–जलाए और हत्याएं भी कीं। इस दौरान पुलिस के हथियार भी लूटे गए और उनका इस्तेमाल हिंसा फैलाने में किया गया। दोनों पक्ष एक–दूसरे पर अत्याचार करने में पीछे नहीं रहे। इसके चलते हजारों लोगों को पलायन करना पड़ा। जब स्थितियां कुछ नियंत्रित होती दिख रही थीं, तो एक ऐसा वीडियो सामने आया, जिसमें कुकी समुदाय की दो महिलाओं को निर्वस्त्र कर घुमाया गया। इनमें से एक के साथ सामूहिक दुष्कर्म भी किया गया। यह घटना चार मई की है, लेकिन उसका वीडियो चंद दिन पहले आया। इस घटना ने देश को शर्मसार करने के साथ झकझोर कर रख दिया। चूंकि यह वीडियो संसद सत्र शुरू होने के पहले आया इसलिए राजनीतिक हंगामा भी शुरू हो गया–संसद में भी और संसद के बाहर भी। मणिपुर की वीभत्स घटना की जितनी भर्त्सना की जाए, कम है। यह घटना दोनों समुदायों यानी मैती और कुकी के बीच की कटुता को तो बताती ही है, यह भी इंगित करती है कि घृणा के शिकार लोग किस हद तक गिर सकते हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने ठीक ही कहा कि यह सभ्य समाज को शर्मसार करने वाली घटना है और

प्रधानमंत्री मोदी ने ठीक ही कहा कि यह सभ्य समाज को शर्मसार करने वाली घटना है और इससे पूरे देश की बेइज्जती हो रही है। इस शर्मनाक घटना में आश्चर्य की बात यह है कि पुलिस ने दोषियों के खिलाफ कार्रवाई करने में जरूरत से ज्यादा समय लगा दिया। दोषियों की गिरफ्तारी करीब दो माह बाद तब की गई, जब घटना का वीडियो सामने आया और उसे लेकर हड़कंप मचा। किसी के लिए भी समझना कठिन है कि घटना की एफआइआर मई में ही हो जाने के बाद भी पुलिस को कार्रवाई करने में इतना समय क्यों लग गया? मणिपुर के मुख्यमंत्री, जो राज्य के गृहमंत्री भी हैं, के बयान से यही लगता है कि वह भी इस घटना से समय रहते अवगत नहीं हो सके। यह ठीक है कि मणिपुर में इंटरनेट बंद होने से सूचनाएं देरी से बाहर आ रही थीं, लेकिन जब पुलिस घटना से अवगत थी, तब उसने इतने संगीन मामले को गंभीरता से क्यों नहीं लिया? प्रश्न यह भी है कि आखिर खुफिया एजेंसियां क्या कर रही थीं? चार मई की घटना मणिपुर के माहौल को फिर से खराब सकती है, क्योंकि वह बेहद शर्मनाक और विचलित करने वाली है। आज के जमाने में दो समुदायों में इतना वैमनस्य होना चकित करता है। यह मानने के पर्याप्त कारण हैं कि मैती–कुकी के बीच अविश्वास की खाई पाटने और उनकी आपसी घृणा को दूर करने के लिए जैसा राजनीतिक हस्तक्षेप होना चाहिए, वैसा नहीं किया गया। यह ध्यान रहे कि मणिपुर में पिछले दो माह के दौरान अन्य अनेक महिलाओं के साथ भी दुष्कर्म हुआ है। यौन हिंसा की घटनाओं के साथ लूटपाट, आगजनी और हत्याएं भी हुई हैं। इसके अलावा बड़े पैमाने पर हथियार भी लूटे गए हैं। चूंकि मणिपुर की हिंसा को वहां का प्रशासन नियंत्रित करने में नाकाम रहा, अतरू केंद्रीय सुरक्षा बल तैनात किए गए। उन्हें भी स्थिति को नियंत्रित करने में कठिनाई हुई। इस दौरान देश के राजनीतिक दलों को मणिपुर की वस्तुस्थिति से अवगत कराने के लिए केंद्रीय गृहमंत्री की ओर से एक सर्वदलीय बैठक बुलाई गई, लेकिन उसमें आरोप–प्रत्यारोप ही अधिक हुए। विपक्षी दलों ने यह शिकायत की कि इस बैठक में प्रधानमंत्री क्यों नहीं हैं? यह शिकायत यह जानते हुए भी की गई कि वह उस समय अमेरिका के दौरे पर थे। मणिपुर की शर्मनाक घटना का वीडियो सामने आने से विपक्ष सरकार के प्रति हमलावर है। वह संसद नहीं चलने दे रहा है। पक्ष–विपक्ष के बीच इस पर मतभेद है कि मणिपुर पर चर्चा किस नियम के तहत हो। आखिर चर्चा आवश्यक है या फिर यह कि वह किस नियम के तहत हो? मणिपुर पर संसद में चर्चा होनी ही चाहिए। विपक्ष को सरकार को कठघरे में खड़ा करने का पूरा अधिकार है। वह ऐसा तभी कर सकता है, जब संसद में चर्चा होने दे। इस समय जैसा राजनीतिक माहौल है, उसे देखते हुए इसके आसार कम ही हैं कि मणिपुर को लेकर संसद में चर्चा हो जाने मात्र से वहां के हालात सुधर जाएंगे। जब सरकार चर्चा के लिए तैयार है तो फिर विपक्ष को भी इसके लिए आगे आना चाहिए। विपक्ष के रवैये से ऐसा लगता है कि चर्चा का उद्देश्य मणिपुर के हालात पर चिंता जताना कम, राजनीतिक लाभ उठाना अधिक है। इसकी अनदेखी नहीं की जानी चाहिए कि संवेदनशील मामलों में भी पक्ष–विपक्ष राजनीतिक लाभ उठाने के फेर में ही अधिक रहता है। दोनों की कोशिश एक–दूसरे को घेरने में रहती है, न कि सार्थक चर्चा करने में। निःसंदेह यह नहीं कहा जा सकता कि संसद में सार्थक चर्चा करने के बजाय हंगामा करने से किसी राजनीतिक दल को कोई विशेष लाभ मिलता है। इसके बाद भी संसद में एक–दूसरे पर राजनीतिक हमले की कोशिश रहती है। यदि संसद लोकतंत्र का मंदिर है तो फिर वहां जनता की भलाई वाले कामों को लेकर चर्चा को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। इसी तरह विकास के कामों को आगे बढ़ाने तथा समाजिक सद्भाव को बल देना भी एक साझा उद्देश्य होना चाहिए। जब संसद में सार्थक चर्चा होगी, तभी जनता को कोई सही दिशा मिलेगी और संसद की महत्ता बढ़ेगी। महज एक–दूसरे को नीचा दिखाने वाली राजनीति से राष्ट्र निर्माण की ओर नहीं बढ़ा जा सकता। लगता है राजनीतिक दल यह समझने को तैयार नहीं कि संसद में गंभीर चर्चा लगातार कम होती जा रही है और इसके कारण उसकी महत्ता और गरिमा प्रभावित हो रही है। जब भी संसद का सत्र आयोजित होता है, सत्ता पक्ष और विपक्ष एक–दूसरे से उलझते ही दिखते हैं। विपक्ष कई बार चर्चा की मांग भी करता है और सदन भी नहीं चलने देता। संसद न चलने से केवल लोकतंत्र ही कमजोर नहीं होता, बल्कि देश की प्रगति भी रुकती है, क्योंकि कई आवश्यक विधेयक समय रहते पारित नहीं हो पाते। प्रधानमंत्री मोदी ने ठीक ही कहा कि यह सभ्य समाज को शर्मसार करने वाली घटना है और इससे पूरे देश की बेइज्जती हो रही है। इस शर्मनाक घटना में आश्चर्य की बात यह है कि पुलिस ने दोषियों के खिलाफ कार्रवाई करने में जरूरत से ज्यादा समय लगा दिया। दोषियों की गिरफ्तारी करीब दो माह बाद तब की गई, जब घटना का वीडियो सामने आया और उसे लेकर हड़कंप मचा।

माध्यमिक शिक्षक संघ जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालय पर संपन्न हुआ

जौनपुर ब्यूरो

उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ जौनपुर का एकदिवसीय धरना जिलाध्यक्ष सुधाकर सिंह के नेतृत्व में जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालय पर संपन्न हुआ इसमें प्रदेश अध्यक्ष चेतनारायण सिंह के साथ बड़ी संख्या में माध्यमिक शिक्षक शामिल हुए। धरने में कई अन्य संगठनों के प्रतिनिधि समर्थन देने के लिए पहुंचे। जिलामंत्री प्रमोद कुमार सिंह ने धरने के मुद्दों का वाचन करते हुए बताया कि यह पुरानी पेंशन बहाली ,चिकित्सा सुविधा प्राप्त करने, तदर्थ शिक्षकों के नियमितीकरण,28 मार्च 2005 से पूर्व के विज्ञापन पर नियुक्त शिक्षकों को पुरानी पेंशन देना ,विषय विशेषज्ञ शिक्षकों को पूर्व सेवा जोड़ते हुए मार्गदर्शी सिद्धांत बनाते हुए पेंशन का लाभ देना ,बोर्ड परीक्षा कार्यों की पारिश्रमिक दरों को सीबीएसई के बराबर करना तथा पूर्व के अवशेषों का भुगतान करना, व्यावसायिक एवम कंप्यूटर शिक्षकों को शिक्षक पदों पर समायोजित करना जैसे मुद्दों को लेकर किया जा रहा है।

प्रदेश अध्यक्ष चेतनारायण सिंह ने धरने में लोगों की बड़ी संख्या में भागीदारी पर प्रसन्नता व्यक्त की तथा दिल्ली के रामलीला मैदान में 10 अगस्त को होने वाली रैली एवं संसद मार्च के लिए लोगों से बड़ी संख्या में भाग लेने की अपील की।

प्रदेश उपाध्यक्ष नरसिंह बहादुर सिंह ने कार्यालय को चेताया कि किसी भी स्थिति में शिक्षकों के कार्यों में हीलाहवाली बर्दास्त नहीं की जाएगी। प्रदेश मंत्री अजय प्रकाश सिंह ने विश्वास व्यक्त किया कि संघर्ष के बल पर पुरानी पेंशन शीघ्र प्राप्त हो जाएगी।

जिलाध्यक्ष सुधाकर सिंह ने आए हुए सभी शिक्षकों का आभार व्यक्त किया। इस धरने को दिनेश चक्रवर्ती,जयप्रकाश सिंह,रामप्रकाश सिंह,राजेश यादव,प्रशांत पांडे ने संबोधित किया। धरने में लाल बहादुर ,अविनाश यादव, अजय कुमार सिंह ,जयप्रकाश सिंह, देवी प्रसाद पांडे ,इंद्रजीत सिंह ,संदीप सिंह,विजेंद्र,, जायद नारायण देव वर्मा, रामप्रकाश सिंह, सुरेश उपाध्याय, बिजेंदर चौधरी, विकास तिवारी, अशोक पांडे ,डॉक्टर अनुराग दुबे, अभिमन्यु सिंह, महेंद्र कुमार, रविंद्र कुमार सिंह चंद्र प्रकाश दुबे, अशोक कुमार यादव ,दिनेश चक्रवर्ती ,विनोद कुमार उपाध्याय, वैभव पांडे ,अखिलेश पटेल , मनजीत कुमार त्रिपाठी ,राजेश यादव ,शीतला सिंह, राजेश्वरी सिंह ,शरद कुमार बिंद, जिया लाल बिंद ,शरद कुमार , अजय प्रकाश सिंह ,अनुराग यादव ,गुंजन श्रीवास्तव, संजय कुमार गुप्ता, शिवम गौतम, योगेंद्र बहादुर, कृष्ण मुरारी यादव ,संदीप कुमार सिंह ,कृष्ण मोहन यादव ,इंद्रपाल यादव, अनुराग यादव ,संजय सिंह,अरविंद,संतोष सम्मिलित रहे।

सहोदय स्कूल्स कॉम्प्लेक्स लखनऊ चौप्टर द्वारा गोयल कैम्पस में आयोजन

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। सहोदय स्कूल्स कॉम्प्लेक्स लखनऊ चौप्टर के माध्यम से २५ जुलाई२०२३ को प्रातरू १० बजे नेशनल एजूकेशन पॉलिसी के उद्देश्यों से अवगत कराने हेतु सीबीएसई मिडिल स्कूल टीचर्स ट्रेनिंग का आयोजन सेठ एम.आर. जयपुरिया, गोयल कैम्पस के सभागार में किया गया।जिसमें विभिन्न विद्यालयों के लगभग ८० से ज्यादा शिक्षक –शिक्षिकाओं ने भाग लिया।सम्मेलन का शुभारम्भ मुख्य अतिथि जावेद आलम खान (चेयरपर्सन ऑफ सहोदय लखनऊ, सिटी कोऑर्डिनेटर, प्रिंसीपलध्जोइंट डायरेक्टर ऑफ लखनऊ पब्लिक कॉलिजिएट), बी. सिंह (सेक्रेट्री सीबीएसई सहोदय) गोयल ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस के चेयरमैन महेश अग्रवाल, विद्यालय की प्रधानाचार्या डॉ. रीना पाठक के करकमलों द्वारा दीप प्रज्वलित करके किया गया। शिक्षा जगत में पिछले २३ सालों से अपना योगदान देने वाली,वरिष्ठ शिक्षाविद श्वेता खन्ना ने आयोजन की अध्यक्षता करते हुए वर्तमान समय में एनईपी के उद्देश्यों से सभी को परिचित कराया ।फाउंडेशनल लिटरेसी और न्यूमेरेसी की आवश्यकता को वर्तमान स्थिति के परिप्रेक्ष्य में उपयोगी बताया गया। शिक्षकों के सहयोग सभी छात्रों को सामान्य रूप से लिखना पढ़ना,संख्या ज्ञान आ जाए। इस बात पर विशेष रूप से बल दिया गया। सहोदय कोर कमेटी की सदस्य पूनम ,ऋचा खन्ना ने भी अपनी उपस्थिति यहां दर्ज कराई। सिटी कोऑर्डिनेटर जावेद आलम ने सभी से सक्रिय योगदान की अपेक्षा करते हुए एन ई पी २०२० के उद्देश्यों को २०२५ तक पूरा करने का संकल्प दिलाया। आयोजन का समापन मेजबान विद्यालय की प्रधानाचार्या डॉ. रीना पाठक ने सभी को धन्यवाद देते हुए किया।

15 राज्यों से आए 111 से अधिक प्रतिभागियों को प्रशस्ति पत्र से सम्मानित किया गया

समाज में जो अंधकार छाया हुआ है उसको प्रकाश में करने के लिए नंदिनी शिविर की बड़ी भूमिका है : रमेश भइया

बहने रचनात्मक कार्यक्रमों को अपनाकर समाज के सेवा कार्यों का दायित्व संभालें:सुधीर भाई

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

उज्जैन। 'अंकित ग्राम' सेवाधाम आश्रम में अंकितग्राम, सेवाधाम आश्रम के परोक्ष समाजसेवी मास्टर अंकित गोयल के 39वें जयन्ती पर्व पर 39 दिवसीय 32वें वर्षा मंगल महोत्सव ''अंकितग्राम वर्षा मंगल राष्ट्रोत्सव'' का तीन दिवसीय नंदिनी लोकमित्र राष्ट्रीय सम्मेलन का समापन सत्र सम्पन्न हुआ जिसमें देश के आए हुए 111 समाजसेवियों को मान पत्र एवं प्रशस्ति पत्र से गांधी–विनोबा के विचारों को जनमानस में प्रवाहित करने हेतु सम्मानित किया गया। समापन समारोह के मुख्य अतिथि अंकितग्राम, सेवाधाम आश्रम संस्थापक सुधीर भाई ने कहा कि आज इतनी महिलाऐं देश के कोने–कोने से सेवाधाम आश्रम में आ सकती है तीन दिन रूककर नंदिनी लोकमित्र राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग ले सकती है इतनी कल्पना करना हमारे लिए मुश्किल था क्योंकि अकेला आदमी भी कहीं जाने में कई बार सोचता है किन्तु यहां तो झारखण्ड, बिहार, उत्तराखण्ड, छत्तीसगढ़ राजस्थान, गुजरात, महाराष्ट्र, हरियाणा, मध्यप्रदेश आदि 15 राज्यों से सुदूर गांवों में सेवा का कार्य करने वाली बहनों के आने से सेवाधाम आश्रम पवित्र हो गया है, हमारी बहनों को सेवा करने का ओर अधिक उत्साह मिला है सेवाधाम का काम सारे देश में नंदिनी बहनों के माध्यम से फैलने की आशा भी बलवति हुई है। आज समाज में जिस प्रकार की समस्याऐं दिख रही है उनका हल विनोबाजी के द्वारा बताई गई स्त्री शक्ति में ही समाहित है। सेवाधाम आश्रम बहनों के अनेक कल्याणकारी प्रकल्प को चला ही रहा है लेकिन लगता है कि अब देश की महिला कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षण देने के लिए और कार्य देने की जरूरत है।

समारोह में नंदिनी शिविर के सूत्रधार रमेश भईया संस्थापक विनोबा सेवा आश्रम, शाहजहांपुर ने कहा कि अधंकार को ना धिक्कारे, अच्छा है दीप जलाए इसी परम्परा को देशभर में बहने निर्वाह करेंगी। इस दृष्टि से तीन दिन का नंदिनी सम्मेलन सफल माना जा सकता है क्योंकि यहां जो बहनों ने संकल्प लिया है उनमें साफ झलकता है जहां–जहां भी समाज में अंधेरा दिखेगा यह नंदिनी बहनें अपनी सेवा का प्रकाश फैलाएंगी। बाबा कहा करते थे कि कितना भी घनघोर अंधेरा हो लेकिन दीपक जलाने से उस स्थान पर तो उजाला हो ही जाता है। अब तक नंदिनी शिविर के माध्यम से हजारों बहनें दिपक बन चुकी है जो कभी ना कभी समाज में रोशनी फैलाने वाले सूर्य को अवकाश अवश्य देंगी, मातृ शक्ति पौषण–सृजन और रचना की प्रतीक है, समाज को इन तीनों आयामों की जरूरत है। समारोह की अध्यक्षता श्रीमती कांता भाभी, विमला बहन ने की एवं इस अवसर पर अनेक राज्यों से आए प्रतिभागियों ने शिविर के बारे में अपने–अपने विचार रखे। समारोह में महाराष्ट्र से आए राष्ट्र संत श्री तुकड़ोजी महाराज के अनुयायियों द्वारा सुधीर भाई एवं श्रीमती कांता भाभी का शाल एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मान किया। तीन दिवसीय शिविर में नित्य प्रभात फेरी, प्रातःकालीन भजन, सामूहिक श्रमदान, स्वयं की स्वच्छता, सर्कल, आश्रम भ्रमण, वृक्षारोपण के साथ अनेक महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए संकल्प लिए गए। शिविर का आयोजन सुधीर भाई के निर्देशन में किया गया, आवास एवं भोजन विभाग श्रीमती कांता भाभी, गोरी गोयल एवं मोनिका गोयल के साथ सेवाधाम के सेवा सारथियों में प्रकाश पाटीदार, रूपाली पाटीदार, शैलेंद्र कुमावत, जितेन्द्र चौहान, सहित आश्रम की टीम शाहरूख (राम), आकाश, सुमित, अशोक, कान्हा, ज्योति, अवन्तिका, मुस्कान, रानी, तनु, शकिना, संध्या, सकुड़ी, पूनम आदि ने संभाला।

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना का भरपूर लाभ उठाये किसान : शाही

जागरूकता अभियान चलाने के लिए वाहनों को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

संवाददाता

लखनऊ। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, कृषि सहकारिता एवं किसान कल्याण विभाग की ओर से संचालित फ्लैगशिप योजना ''प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना'' के व्यापक प्रचार–प्रसार करने, योजना के प्रति कृषकों की आशंकाओं के समाधान करने एवं योजना में कृषकों कीभागीदारी बढ़ाने के उद्देश्य से कृषि भवन में राज्य स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने किया। योजना की जागरूकता का कार्यक्रम प्रदेश में पूरे जुलाई माह में चलाया जाएगा।अपने संबोधन में सूर्य प्रताप शाही ने बताया कि आपदा के समय कृषकों की आय को स्थिर रखने एवं कृषकों की आय दुगुनी करने की दिशा में प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना एक महत्वपूर्ण स्तम्भ है। यह कृषकों को किसी भी प्रकार की दैवीय आपदा के विरुद्ध उनकी अधिसूचित फसलों को बीमा कवर प्रदान करते हुए वित्तीय सहायता प्रदान करती है और उन्हें कृषि क्षेत्र में नवीन तकनीक, आधुनिक संसाधन एवं उन्नत किस्म के बीजों का उपयोग कर उत्पादन को बढ़ाये जाने हेतु प्रोत्साहित करती है। बीमित कृषक न केवल अपनी आय में वृद्धि करता है बल्कि प्रदेश एवं देश की खाद्यान्न सुरक्षा में अपने योगदान की प्रमुखता को बनाये रखता है। आज कृषि जगत में सबसे बड़ी चुनौती, जो किसान भाइयों के सामने है, वह है जलवायु परिवर्तन। समय से वर्षा न होना, दो से तीन दिन में ही पूरे सीजन की वर्षा हो जाना, तापमान अचानक कम व अधिक हो जाना ये चीज किसानों के लिए प्रतिकूल होती है, ऐसे प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना एवं पुनर्गठित मौसम आधारित फसल बीमा योजना के अर्न्तगत बीमित कृषक इसका लाभ उठा सकते हैं। प्रदेश के कृषक योजनान्तर्गत 31 जुलाई तक अपनी फसलों का बीमा कराकर प्राकृतिक आपदाओं से अपनी फसल को सुरक्षा प्रदान करें एवं देश व प्रदेश के आर्थिक विकास में अपना योगदान दें। कृषि मंत्री ने खरीफ सीजन–2022 एवं रबी सीजन 2022–23 के लिए सर्वाधिक क्षतिपूर्ति प्राप्त करने वाले बीमित किसानों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। प्रशस्ति पत्र प्राप्त करने वालों में सीतापुर के राम अचल को 1.67 लाख रूपये, ललितपुर के राजेन्द्र सिंह को 1.34 लाख रूपये, बाराबंकी के विक्रमजीत सिंह को 1.26 लाख रूपये, सीतापुर के सावली प्रसाद को 1.25 लाख रूपये, बाराबंकी के कौशलेन्द्र प्रताप सिंह को 1.23 लाख रूपये, वाराणसी के रामबली मिश्र को 1.22 लाख रूपये, दिनेश सिंह को 1.21 लाख रूपये तथा बाराबंकी के रामगोपाल, माधुरी, यदुनन्दन को क्रमशः 1.18 लाख रूपये, 1.14 लाख रूपये व 1.13 लाख रूपये का बीमा प्राप्त करने वाले किसान शामिल थे। सांस्कृतिक दल द्वारा प्रधानमंत्री कृषि बीमा योजना पर एक नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत कर योजना की सभी जानकारियां बहुत रोचक ढंग से प्रस्तुत की गयीं।

कुरान पाक इंसान के दिल का नूर है : मौलाना खालिद रशीद

संवाददाता

लखनऊ। कुरान करीम दुनिया की एक अकेली ऐसी किताब है जिसके हुरूफ (अक्षर) और आयतों में क्या इसके जबर जेर और नुक्तों में भी कोई बदलाव नही कर सकता। इस लिए कि इसकी हिफाजत की पूरी जिम्मेदारी खुदा पाक ने खुद ले रखी है। कुरान पाक में इरशाद है कि हमने कुरान नाजिल किया है और हम ही उसके मुहाफिज हैं। इन शब्दो का इज़हार इमाम ईदगाह लखनऊ मौलाना खालिद रशीद फरंगी महली नाजिम दारूल उलूम निजामिया फरंगी महल ने किया। वह आज इस्लामिक सेन्टर आफ इण्डिया फरंगी महल के तत्वाधान में होने वाले दस दिवसीय जलसाहाय ''शुहादाये दीने हक़ व इस्लाहे माआशरह'' के अर्न्तगत दारूल उलूम फंरगी महल में पॉचवें जलसे को सम्बोधित कर रहे थे।

15 बड़े विपक्षी नेता भाजपा में शामिल हुए,अंशुल वर्मा ने भी की घर वापसी

संवाददाता

लखनऊ। आगामी लोक सभा चुनाव से पहले यूपी की सियासत में बड़ा हलचल देखने को मिल रहा है, दरअसल भाजपा ने यूपी की 80 सीटें जीतेने के लिए हर पैतरे का इस्तेमाल कर रही है। इसके साथ ही भाजपा ने मिशन डिमॉलिशन का आगाज भी कर दिया है।

इस मिशन का सिलसिला दारा सिंह चौहान से शुरु हुआ था, लेकिन आज देखा जा रहा है कि बीजेपी विपक्षी दलों में सर्जिकल स्ट्राइक करती हुई नजर आ रही है। इस स्ट्राइक का सबूत आज यानि सोमवार को लखनऊ के पार्टी कार्यालय में देखने को मिला, जहां 15 से अधिक बड़े–बड़े नेताओ ने भाजपा प्रदेशाध्यक्ष के सामने भारतीय जनता का दामन थाम लिया। इनमें सबसे बड़ा नाम है पूर्व सांसद अंशुल वर्मा का। जो दारा सिंह चौहान की तरह एक बार फिर बीजेपी में घर वापसी किए हैं। दरअसल, 2014 में अंशुल वर्मा ने बीजेपी के टिकट पर हरदोई से लोकसभा का चुनाव जीता, सांसद चुने गए। लेकिन 2019 में जब पार्टी ने उनका टिकट काट दिया तो वो सपा की साइकिल पर सवार हो गए थे।

उन्होंने जिस तरह से लखनऊ में बीजेपी कार्यालय पर तैनात सुरक्षा गार्ड को अपना इस्तीफा सौंपा था वह काफी सुर्खियों में रहा था। वहीं एक और चौंकाने वाले चेहरे ने बीजेपी का पटका पहन लिया है। वह नाम है 2019 में वाराणसी संसदीय सीट पर पीएम नरेंद्र मोदी के खिलाफ सपा के टिकट पर चुनाव लड़ने वाली शालिनी यादव। शालिनी कांग्रेस के पूर्व सांसद और राज्यसभा में पूर्व उपसभापति रहे श्याम लाल यादव की पुत्रवधू हैं। इस मौके पर डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने कहा, आज बीजेपी परिवार में सपा, आरएलडी और बसपा छोड़कर बहुत बड़ा समूह आया है।

मैं राजपाल सैनी का स्वागत करता हूं। साहब सिंह सैनी, जगदीश सोनकर, अंशुल वर्मा, सुषमा पटेल, गुलाब सरोज, शालिनी यादव, राजीव बक्शी, आगरा से रवि भारद्वाज, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष सुनीता यादव, पियूष यादव, पुष्पेंद्र पासी, मुजफ्फरनगर से श्रीनिवास सैनी समेत सभी नए सदस्यों अभिनंदन करता हूं।

सावन का तीसरा सोमवार, शिवभक्तों पर योगी सरकार ने कराई पुष्पवर्षा

संवाददाता

लखनऊ। सावन में प्रदेश में शिवभक्त कांवड़ियों पर पुष्पवर्षा का क्रम तीसरे सोमवार को भी जारी रहा। सावन के पिछले दो सोमवार को काशी, मेरठ और सहारनपुर में पुष्पवर्षा की गई । तीसरे सोमवार को बाराबंकी स्थित लोधेश्वर महादेव मंदिर में हेलीकॉप्टर द्वारा कांवरियों पर पुष्प वर्षा की गई। इसके अलावा अयोध्या में भी सरयूतट पर शिवभक्तों पर योगी सरकार ने पुष्पवर्षा कराई है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर पिछले 6 साल से प्रदेश में शिवभक्तों का खास तरीके से सम्मान किया जा रहा है। सरकार की ओर से ना सिर्फ कांवड़ियों पर पुष्पवर्षा की जा रही है, बल्कि उनकी सुविधाओं का भी विशेष ध्यान रखा जा रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ खुद भी मेरठ–दिल्ली हाईवे पर कांवड़ियों पर पुष्पवर्षा कर चुके हैं।

यूपी में रेव पार्टी में हो रही ड्रग्स सप्लाई

संवाददाता

लखनऊ। यूपी में युवाओं पर ड्रग्स का नशा सिर चढ़कर बोल रहा है। 24 जून को सुशांत गोल्फ सिटी के एक फ्लैट में नाबालिग लड़के–लड़कियों को रेव पार्टी करते हुए पकड़ा गया था। ऐसे ही युवाओं को रेव पार्टी के लिए मादक पादार्थ और ड्रग्स सप्लाई करने वाली एक युवती समेत चार लोगों को यूपी एसटीएफ ने गिरफ्तार किया है। इनके पास से 6.57 लाख रुपए नकद और कार बरामद हुई है। यह लोग होटल, फार्म हाउस, घरों और मांग के हिसाब से माल पहुंचाते थे। एसटीएफ इस गिरोह के मुख्य सप्लायर और उससे जुड़े अन्य लोगों की तलाश में छापेमारी कर रही है। एसटीएफ ने मुखबिर की सूचना पर मनकामेश्वर मंदिर के पीछे रहने वाली स्वस्तिका के साथ उसके साथी लखनऊ तेज कुमार प्लाजा निवासी तरून अवस्थी, कैसरबाग कोतवाली के पीछे रहने वाले पंकज सोनकर और गोमतीनगर विराजखंड निवासी अजमल को पकड़ा है। यह लोग गोमतीनगर स्थित होटल एसवीजी गेस्ट इन में ड्रग्स की सप्लाई करने के लिए पहुंचे थे। एसटीएफ की टीम इन लोगों की विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर 16 जुलाई को एक वीडियो और कुछ फोटो वायरल होने पर सक्रिय हुई थी। इसमें कुछ लड़के और एक लड़की किसी रूम में बैठकर नोटों की गिनती कर रहे हैं तथा नजदीक में ही शराब की बोतलें और हुक्का रखा हुआ है। एसटीएफ की पूछताछ में पकंज सोनकर ने बताया, आर्यन नाम का युवक मोबाइल फोन से विभिन्न एप्लिकेशन के माध्यम से इंटरनेशनल स्तर पर अवैध मादक पदार्थ एवं ड्रग्स की खरीद फरोख्त करते थे। इसके समान की डिलीवरी हम लोग करते थे। 16 जुलाई को आर्यन और लकी ने होटल राजधानी में कमरा नंबर 104 बुक कराया था। जहां हम लोगों ने नशे की बिक्री के पैसों की गिनती की और हुक्काध्शराब की पार्टी की। इसका आर्यन ने इंस्टाग्राम एवं सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया था। आर्यन ने सात लाख रुपए एवं मोबाइल फोन हम लोगों को देकर कहा कि तुम लोग कहीं बाहर चले जाओ और मौज करों। तभी से हम लोग इन्हीं पैसों से जगह बदल–बदलकर इधर–ऊधर छिपकर रहते है।एसटीएफ की जांच में सामने आया है कि यह गिरोह सोशल मीडिया के माध्यम से विदेशी ड्रग्स पैडलर्स से जुड़ा है। आर्यन और लकी जिसे मोबाइल एप और अवैध कॉल सेंटर के माध्यम से यूपी में संचालित करते हैं। इल्हें वर्चुअल आईडी से एक निश्चित सर्वर पर चलाते हैं। जिसमें यूएस के ड्रग्स तस्कर ऑर्डर लेते–देते हैं। रकम कुछ ऑनलाइन तो कुछ लोग एजेंट के जरिए भारत मंगवाते हैं। पूछताछ में सामने आया है कि यह लोग एक दूसरे से वॉट्सऐप मैसेज और कॉल से संपर्क करते थे। इससे ट्रेस न हो सके। साथ ही ड्रग्स सप्लाई के लिए 13 वॉट्सऐप ग्रुप बना रखे थे। यह लोग एक शहर से दूसरे शहर जाने के लिए हवाई यात्रा करते थे और महंगे होटलों में रुकते थे। जिसके सबूत इनके मोबाइल और अन्य दस्तावेजों से मिले हैं।

पूछताछ में यह भी सामने आया है, इनके गिरोह की यूपी के महानगरों में होने वाली हाई–प्रोफाइल पार्टियों के साथ ही बड़े पब में भी पहुंच है। जहां मांग के हिसाब से ड्रग सप्लाई करते हैं। यहां पकड़ बनाने के लिए पहले पार्टी खुद करते और युवाओं के जुड़ने पर उन्हें अपना ग्राहक बना लेते। इनके मोबाइल में इसके सबूत के तौर पर कई पार्टियों के वीडियो मिले हैं। इसमें हुक्का, ड्रग्स और शराब के नशे में लोग डांस करते दिखे हैं। एसटीएफ के मुताबिक कुछ ऐसी दवाइयां हैं जो विदेशों में प्रतिबंधित हैं। इनका इस्तेमाल ड्रग्स के तौर पर लोग करते हैं। उन्हें यह लोग सप्लाई करते हैं। पकड़े न जाएं और कॉल ट्रेस न हो सके इसलिए वर्चुअल आईडी का इस्तेमाल करते हैं। इसके लिए सोशल मीडिया का इस्तेमाल करते हैं। यह लोग रेव पार्टी में चरस, गांजा, स्मैक के साथ नशीली दवाइयां उपलब्ध करवाते हैं।

जनता दर्शन में सीएम योगी ने सुनी फरियाद

संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि जिन जरूरतमंदों को अभी पक्का मकान नहीं मिल पाया है, उन्हें प्रधानमंत्री आवास योजना या मुख्यमंत्री आवास योजना के दायरे में लाकर पक्के आवास की सुविधा उपलब्ध कराई जाए। योगी ने यहां जनता दर्शन के दौरान लोगों की समस्याएं सुनी और मौजूद अधिकारियों को उसके निराकरण कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पुलिस से संबंधित मामलों में प्रभावी कार्रवाई हो और साथ ही अवैध कब्जा करने वालों को कड़ा कानूनी सबक सिखाया जाए। अधिकारी जन कल्याण के कार्यों को सदैव प्राथमिकता पर रखें और हर पीड़ित की समस्या का तुरंत निस्तारण करना सुनिश्चित करें। सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, जनता दर्शन में मुख्यमंत्री ने करीब 500 लोगों की समस्याएं सुनीं। इसमें बड़ी संख्या महिलाओं की रही। इस दौरान देवरिया से आई एक महिला ने आवास की समस्या बताई।

मणिपुर के हालात के जिम्मेदार मुख्यमंत्री बीरेन सिंह दे इस्तीफा

संवाददाता

लखनऊ। मनरेगा वर्कर यूनियन ने मणिपुर जनसंहार, सामूहिक बलात्कार काण्ड और राज्य में सरकारी आतंकवाद कायम के लिए मणिपुर के मुख्यमंत्री बीरेन सिंह को जिम्मेदार ठहराया है और उनके इस्तीफे की मांग किया है।

उत्तर प्रदेश मनरेगा वर्कर यूनियन के अध्यक्ष कन्हैया शाही ने आरोप लगाया है कि मणिपुर राज्य में महिलाओं के नग्न मार्च , सामूहिक बलात्कार और जनसंहार के पीछे भाजपा की बीरेनसिंह सरकार की दुष्ट शक्तियां है, जिसने पहाड़ी कुकी जनजाति के 38 गांवों को जंगल से बेदखल करने का फैसला किया है।यह जम्मू–कश्मीर की तरह मणिपुर के पहाड़ी लोगों को संविधान के अनुच्छेद 371 (सी) के तहत दी गई स्वायत्त शक्ति वापस लेने की केंद्र सरकार की साजिश है और इसके पीछे पहाड़ी लोगों के वन भूमि अधिकारों को दबाने की योजना है।उन्होंने कहा कि 2022 के चुनाव में केंद्रीय मंत्री अमित शाह ने कुकियों को अलग राज्य का वादा कर उनका समर्थन हासिल किया। सत्ता में आने के बाद वह धोखा देकर चले गये।भाजपा सरकार ने चुराचांदपुर वन क्षेत्र के 38 कुकी आदिवासी गांवों को अवैध बस्तियों के रूप में चित्रित किया और कहा कि वहां रहने वाले कुकी वन भूमि में अतिक्रमणकारी हैं।उत्तर प्रदेश मनरेगा वर्कर यूनियन अध्यक्ष कन्हैया शाही ने बताया कि कुकी संगठनों ने इसका खंडन करते हुए वहां के लोगों को बड़े पैमाने पर संगठित किया और इस विशिष्ट समूह का विरोध करने के लिए आगे बढ़े।उनके मार्च और शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शनों को प्रतिबंधों की एक श्रृंखला के माध्यम से दबा दिया गया।

विज्ञापित किया गया था कि मणिपुर कुकियों के लिए एक अलग राज्य होगा। दूसरी ओर मैथियों को लगातार कुकियों के खिलाफ खड़ा किया गया और मणिपुर को अशांति के कगार पर ला दिया। 4 मई को सामूहिक बलात्कार की शिकार महिलाओं, जिन्होंने नंगे कपड़ों में सार्वजनिक विरोध प्रदर्शन किया, के अनुसार इन महिलाओं को मणिपुर पुलिस ने ठगों के एक समूह को सौंप दिया है!

उत्तर प्रदेश मनरेगा वर्कर यूनियन ने राज्य में इंटरनेट काटने और बलात्कार और महिलाओं के नग्न मार्च को अंधेरे में रखने के लिए भाजपा की बीरेन सिंह सरकार को जिम्मेदार ठहराते हुए तत्काल इस्तीफे की मांग की और कहा कि केंद्रीय महिला एवं बाल कल्याण मंत्री स्मृति ईरानी के बयान की व्यापक निंदा की जानी चाहिए। राज्य सरकार को सत्ता से हटाया जाना चाहिए।दोषी अपराधियों एवं अधिकारियों पर उचित कानूनी कार्रवाई की जाये। कुकी लोगों का उत्पीड़न बंद किया जाना चाहिए। पीड़ितों को एक–एक करोड़ का मुआवजा दिया जाए। पहाड़ी लोगों के स्वायत्तता के अधिकार को बहाल किया जाना चाहिए।

क्राइम टीम डीसीपी पूर्वी व थाना विभूतिखण्ड की संयुक्त पुलिस टीम द्वारा तंत्र-मंत्र का प्रयोग कर पहनी हुई ज्वैलरी को शुद्धीकरण करने के नाम पर भोले-भाले लोगों से धोखे से रुपये व जेवर की टप्पेबाजी/ठगी करने वाले चार शातिर अभियुक्त गिरफ्तार

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। एस0बी0 शिरडकर पुलिस आयुक्त, लखनऊ द्वारा कानून व्यवस्था से सम्बन्धित वांछित अभियुक्तों की गिरफ्तारी एवं घटित घटनाओं का त्वरित सफल अनावरण किये जाने हेतु चलाये जा रहे अभियान के क्रम में पुलिस उपायुक्त महोदय पूर्वी ह्रदेश कुमार के निर्देशन तथा अपर पुलिस उपायुक्त पूर्वी सय्यद अली अब्बास के कुशल पर्यवेक्षण तथा सहायक पुलिस आयुक्त विभूतिखण्ड अनिंद्य विक्रम सिंह के निकट पर्यवेक्षण में अनिल कुमार, प्रभारी निरीक्षक, थाना विभूतिखण्ड, लखनऊ के नेतृत्व में थाना विभूतिखण्ड पुलिस टीम द्वारा 04 शातिर टप्पेबाजो ध अभियुक्त को गिरफ्तार किया गया तथा उनके कब्जे से जेवर व रुपये बरामद किये गये। पकड़े गये अभियुक्तों का चिकित्सीय विधिक परीक्षण कराकर आवश्यक विधिक कार्यवाही हेतु माननीय न्यायालय भेजा गया। अपराध ा का संक्षिप्त विवरण–

दिनांक 13.07.2023 को वादिनी मुकदमा की तहरीरी सूचना के आध ाार पर अज्ञात व्यक्तियों के विरुद्ध थाना स्थानीय पर प्र. सू.रि. संख्या 0368ध्2023 धारा 379/420 भादवि का अपराध पंजीकृत हुआ। अभियोग में वादिनी ने अभियुक्तों द्वारा तांत्रिक विद्या का प्रयोग कर धोखे से उनके जेवर उतरवाकर लेकर फरार हो जाने के आरोप अंकित कराये। उक्त घटित घटना को गंभीरता से लेते हुए व उच्चाधिकारीगण से प्राप्त आदेश–निर्देश के अनुपालन में थाना विभूतिखण्ड की पुलिस टीम के उ. नि. शिवम कुमार व अन्य पुलिस टीम द्वारा द्वारा इलेक्ट्रानिक वैज्ञानिक व जमीनी सूचनाओं के अथक प्रयासों से 04 शातिर अभियुक्तों इरशाद, शाहिद, महबूब, हबीब उपरोक्त को बासमंडी के पास से थाना क्षेत्र विभूतिखण्ड से दिनांक 25.07.2023 को समय 07.30 बजे गिरफ्तार किया गया तथा उनके कब्जे से 01 अदद चौन पीली धातु की, 02 अदद अंगूठी पीली धातु, 01 अदद लॉकेट पीली ध ातु, 02 अदद कान के टॉप्स पीली धातु, 2000ध्– रुपये नगद, 04 अदद एण्ड्रायड मोबाइल फोन व घटना में प्रयुक्त 02 अदद मो0सा0 बरामद की गयी। अभियुक्तों द्वारा इसी प्रकार से थाना क्षेत्र चिनहट में उक्त अभियुक्तों द्वारा घटना कारित की गयी थी । जिसके क्रम में थाना चिनहट पर प्र. सू.रि. संख्या–0294ध्2023 ध ारा–379/406/420/411 भादवि पंजीकृत है।

छात्र-छात्राओं को स्वामी विवेकानंद युवा सशक्तिकरण योजना के अंतर्गत स्मार्टफोन/ टेबलेट वितरित

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। रजत पी जी कॉलेज , लखनऊ के अंतिम वर्ष के छात्र ध छात्राओ को स्वामी विवेकानंद युवा सशक्तिकरण योजना के अंतर्गत स्मार्टफोन / टेबलेट वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया । कार्यक्रम में मुख्य अतिथि योगेश शुक्ल , विधायक बी.के.टी., लखनऊ एवं विशिष्ट अतिथि हरीश अवस्थी, वरिष्ठ भाजपा नेता तथा शिव दर्शन यादव, पूर्व ब्लॉक प्रमुख, बी.के.टी. लखनऊ रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता रजत ग्रुप ऑफ कॉलेजेज, लखनऊ के चेयरमैन डॉ. आर. जे. सिंह ने किया।कार्यक्रम में रजत ग्रुप ऑफ कॉलेजेज, लखनऊ की वाइस चेयरमैन पुष्पलता सिंह, प्राचार्य, विभागाध्यक्ष एवं समस्त शिक्षकध शिक्षिकाएं सम्मिलित हुए। मुख्य अतिथि ने छात्रध छात्राओं को सम्बोधित करते हुए कहा कि वर्तमान में विज्ञान के क्षेत्र में बहुत ही प्रगति हो गई है। किंतु हम यदि प्राचीन काल के इतिहास का अवलोकन करें तो पहले सब कुछ यही मिलता है कि ऋषिओं ने विज्ञान, शल्य चिकित्सा, गणित आदि में पहले से ही बहुत आगे थे। हम सबको उनसे प्रेरणा लेनी चाहिए। आज हमारे यशस्वी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने स्वामी विवेकानन्द युवा सशक्तिकरण योजना के अंतर्गत आप सभी को स्मार्टफोनध टैबलेट वितरित करने का जो संकल्प लिया है उससे सभी तकनीकी रूप से सशक्त हो रहे हैं और आगे भी बढ़ रहे हैं। कार्यक्रम के अन्त में डॉ. आर. जे. सिंह ने सभी अतिथियों को धन्यवाद ज्ञापित किया। पुष्पलता सिंह ने अतिथियों को अंग वस्त्र एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया।

समाजवादी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष के निर्देश पर सपा जिला अध्यक्ष ने विधानसभा अध्यक्षों व ब्लाक अध्यक्षों की घोषणा

अयोध्या (डीकेयू लाइव ब्यूरो) सुरेंद्र कुमार।अयोध्या समाजवादी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष नरेश उत्तम पटेल के निर्देश पर सपा जिला अध्यक्ष पारसनाथ यादव ने सोमवार को विध ानसभा अध्यक्षों व ब्लाक अध्यक्षों की घोषणा की है। समाजवादी पार्टी की ओर से जारी सूचना के अनुसार गोसाईगंज विधानसभा अध्यक्ष सियाराम निषाद, बीकापुर विधानसभा अध्यक्ष अजय कुमार वर्मा, मिल्कीपुर विधानसभा अध्यक्ष पृथ्वीराज यादव को बनाया गया है।

वहीं तारुन ब्लॉक अध्यक्ष अर्पित पटेल, ब्लॉक अध्यक्ष मया बिंदेश्वरी यादव, ब्लॉक अध्यक्ष बीकापुर गया प्रसाद यादव, सोहावल ब्लॉक अध्यक्ष राजेश यादव, मसौधा ब्लॉक अध्यक्ष सूरज निषाद, अमानीगंज ब्लाक अध्यक्ष रामदीन रावत, मिल्कीपुर ब्लॉक अध्यक्ष रामतेज यादव और हैरिंग्टनगंज ब्लॉक अध्यक्ष जगदीश चौरसिया को घोषित किया गया।

थाना महाराजगंज जनपद अयोध्या पुलिस ने शराब बनाने के उपकरण के साथ 03 अभियुक्त गिरफ्तार को किया गिरफ्तार

अयोध्या (क्राइम रिपोर्टर) मुकेश कुमार। अयोध्या वरिष्ठ पुलिस अध ीक्षक जनपद अयोध्या के आदेश के क्रम में अवैध शराब के विक्रयध निष्कर्षण पर प्रभावी कार्यवाही हेतु अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण के निर्देशन में व क्षेत्राधिकारी सर्किल सदर के निकट प्रवेक्षण में अनुपम मिश्रा थानाध्यक्ष महराजगंज जनपद अयोध्या के कुशल नेतृत्व में उ0नि0 राम प्रकाश मिश्रा चौकी प्रभारी पूरा बाजार थाना महराजगंज जनपद अयोध्या मय हमराह फोर्स के मुखबीर के बताये स्थान ग्राम सभा मोहर्रमपुर अरती के दक्षिण कोहडौना घाट के पहले जंगल में दबिश दी गयी जिसमें पुलिस द्वारा अभियुक्तगण तिलकराम पुत्र दयाराम निषाद निवासी मोहर्रमपुर अरती थाना महराजगंज जनपद अयोध्या ,राजेश पुत्र मंगरु निवासी मोहर्रमपुर अरती थाना महराजगंज जनपद अयोध्या ,बबलू पुत्र लल्लन गौड निवासी बडकी ऐमीआलापुर थाना महराजगंज जनपद अयोध्या को ग्राम सभा मोहर्रमपुर अरती के दक्षिण कोहडौना घाट के पहले जंगल से 04 पिपिया में कुल 80 लीटर अवैध अपमिश्रित कच्ची शराब, 05 किलो ग्राम यूरिया 150 ग्राम नौशादर व शराब बनाने के उपकरण के साथ गिरफ्तार किया गया। जिस सम्बन्ध में कई धाराओं के विरुद्ध अभियोग पंजीकृत किया गया । नियमानुसार विधिक कार्यवाही कर जेल रवाना किया गया।

अयोध्या में होमगार्ड मुख्यालय के लिए बनाई जाएगी नई बिल्डिंग

(डॉ अजय तिवारी जिला संबाददाता)

जमीन तलाशने के लिए अपर मुख्य सचिव होमगार्ड अनिल कुमार व डीजी होमगार्ड बी के मौर्य पहुंचे अयोध्या। अपर मुख्य सचिव होमगार्ड अनिल कुमार का बयान, किराए की बिल्डिंग से शिफ्ट होगा अपनी बिल्डिंग में होमगार्ड मुख्यालय, ट्रेनिंग सेंटर की भी बनाई जाएगी नई बिल्डिंग, अयोध्या के विकास को देखते हुए होमगार्ड विभाग ने भी कसी कमर, होमगार्डों के प्रशिक्षण के लिए बनाए गए हैं स्टैंडर्ड माड्यूल्स, उस माड्यूल्स में हम करते हैं बेहतरी का प्रयास, कोशिश की जा रही है कि जितने भी सुरक्षा के ट्रेनिंग सेंटर हैं उनसे मिलकर होम गार्डों की कराई जाए ट्रेनिंग, किसी और सुरक्षाकर्मी से कम ना दिखे होमगार्ड के जवान, शस्त्र सीमा बल की ट्रेनिंग सेंटर में होमगार्डों के एक बार कराई गई थी ट्रेनिंग, विशेष प्रशिक्षण लेकर आए थे होमगार्ड के जवान, आगे भी होमगार्ड की टोलियों को विशेष फिजिकल ट्रेनिंग के लिए बाहर भेजने की की जाएगी कार्यवाही।

संदिग्ध परिस्थितियों में नाबालिग प्रेमी युगल का पेड़ से लटकता मिला शव

(डॉ अजय तिवारी जिला संबाददाता)

अयोध्या। प्रेम प्रसंग में दोनों के आत्महत्या करने की आशंका, पुलिस मौके पर, थाना रौनाही के साल्हेपुर निमैचा गांव के बाहर बाग में पेड़ से लटका मिला प्रेमी युगल का शव। सुचितागंज नगर पंचायत क्षेत्र निमैचा की रहने वाली है किशोरी, साल्हेपुर गांव का रहने वाला है किशोर।

निषाद समाज के लोगों ने विधायक को सौंप ज्ञापन

अयोध्या (डीकेयू लाइव ब्यूरो चीफ) सुरेंद्र कुमार

अयोध्या। सर्किट हाउस में अपनी मांगों को लेकर निषाद समाज के लोगों ने नगर विधायक को सौंपा ज्ञापन बता दें कि अयोध्या के गुप्तार घाट पर दुकान लगा रहे निषाद समाज के दुकानदारों को हटाया जा रहा है।जिसको लेकर निषाद समाज के पटरी के दुकानदारों में खासा आक्रोश है ।निषाद समाज के अध्यक्ष संतोष निषाद के नेतृत्व में दुकानदारों ने विधायक वेद प्रकाश गुप्ता को ज्ञापन दिया ।इस दौरान दुकानदारों ने आरोप लगाते हुए है कि अयोध्या विधायक ने दुकानदारों से वादा किया था कि उनको उजाड़ने से पहले कहीं बसाया जाएगा, लेकिन अब उनको यहां से हटाया जा रहा है ।निषाद समाज के दुकानदारों का कहना है कि हम लोग नदी के किनारे रहते हैं जब भी डूबता है तो हम ही लोग उनको बचाते हैं । इसलिए हमको घाट के किनारे कहीं ना कहीं बसाया जाए, जिससे हमारे समाज का रोजगार भी बचा रहे और वक्त बे वक्त्त लोगों की मदद भी कर सकें।निषाद समाज के अध्यक्ष संतोष निषाद ने बताया की नगर विधायक ने आश्वासन दिया है कल विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष विशाल सिंह के साथ मौके पर पहुँचकर इस समस्या का समाधान निकाला जाएगा।इस संबंध में नगर विधायक वेद प्रकाश गुप्ता ने बताया की गुप्तारघाट के निषाद समाज के दुकानदारों ने अपनी समस्या संबंधित ज्ञापन दिया है उनकी समस्या को सुनकर जल्द से जल्द समाधान के लिए सभी को आश्वस्त किया गया है।इस कार्यक्रम में गोताखोर भगवानदीन निषाद,प्रदीप निषाद, बाबू निषाद,मुन्ना निषाद, विजय निषाद, संजय निषाद, पंडित निषाद, बाल किशन निषाद आदि लोग उपस्थित रहे।

सड़क सुरक्षा परवाड़ा के अन्तर्गत जागरूकता अभियान

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ – आज दिनांक 24 जुलाई 2023 को पुलिस उपायुक्त यातायात के निर्देशन में अवध एकेडमी इण्टर कॉलेज, चिनहट, लखनऊ के छात्रों को सड़क सुरक्षा के सम्बन्ध ा में एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन यातायात पुलिस, आशा फाउण्डेशन तथा मानवाधिकार जनसेवा परिषद के संयुक्त तत्वावध ान में किया गया। कार्यक्रम में प्रशिक्षक के रूप में यातायात पुलिस के टी एस आई रविन्द्र सिंह ने सड़क चिन्ह, ट्रैफिक लाइट, ड्राइविंग लाइसेंस, आई टी एम एस आदि से संबंधित जानकारी दी। रूप कुमार शर्मा ने वाहन चलाते समय हेलमेट व सीट बेल्ट के सही उपयोग व दुर्घटनाओं से बचाव की जानकारी दी। आशा फाउण्डेशन की अध्यक्ष आशा सिंह ने गुड समेरिटन और गोल्डन ऑवर के बारे में जागरूक किया। कार्यक्रम में टी एस आई तथा प्रदीप कुमार शर्मा के द्वारा पूछे गये सड़क सुरक्षा सम्बन्धी प्रश्नों के सही जवाब देने वाले छात्रों सुधांशु बाजपेई, आर्यन कन्नौजिया, मंजीत व लकी को मानवाधिकार जनसेवा परिषद द्वारा मेडल प्रदान कर सम्मानित किया गया। कॉलेज की प्रबंध समिति की रुचि यादव ने छात्रों को स्कूटर – मोटरसाइकिल चलाते समय यातायात के नियमों का कड़ाई से पालन करने हेतु कहा तथा शपथ भी दिलाई।

कार्यक्रम में अवध एकेडमी इण्टर कॉलेज के प्रबन्धक अरविन्द यादव व रुचि यादव, आशा फाउण्डेशन की अध्यक्ष आशा सिंह, मानवाधिकार जनसेवा परिषद के अध्यक्ष रूप कुमार शर्मा, उपाध्यक्ष प्रदीप कुमार शर्मा, शिखा दीक्षित, रेखा शर्मा, कार्तिका माथुर, पूर्णिमा अग्रवाल सहित कॉलेज के अन्य शिक्षकगण उपस्थित रहे।

दोस्त ने पानी भरे गड्ढे में धक्का देकर की हत्या, किशोर समेत 6 लोगों पर एफआईआर

संवाददाता

लखनऊ। लखनऊ में पानी भरे गड्ढे में 13 साल के किशोर ने पानी भरे गड्ढे में सात साल के दोस्त को धक्का देकर हत्या की। पानी में डूबने से बच्चे की मौत हो गई। ये मामला ठाकुरगंज में काला पहाड़ अशरफ नगर का है। शनिवार शाम ये घटना हुई। मामले का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है। रविवार को मृतक बच्चे के पिता ने आरोपी सहित उसके 6 परिजनों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया। देर रात पुलिस ने चार लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ भी शुरू कर दी है। पुलिस के मुताबिक, मूल रूप से गाजियाबाद का रहने वाला अहमद सैफी पुताई मजदूर है। अहमद ने बताया कि उसके परिवार में पत्नी उरोज, तीन बच्चे समद, उबैद व आयशा हैं। दो साल पहले उसकी पत्नी के कमर के नीचे पैरालाइज का अटैक पड़ गया था, जिसके बाद से उसका इलाज चल रहा था। घर में अकेला होने के चलते पत्नी एवं बच्चों की देखभाल नहीं हो पा रही थी। इस कारण करीब आठ माह पहले पत्नी व बच्चों को लेकर ठाकुरगंज स्थित काला पहाड़ अशरफ नगर में अपनी ससुराल में आकर रहने लगा था। पत्नी का इलाज चल रहा है। अहमद ने बताया कि शनिवार दोपहर करीब 3 बजे उनका बेटा बगैर बताए घर से साइकिल लेकर निकला था। थोड़ी देर बाद जानकारी हुई कि बेटा घर से कुछ दूरी पर सौंदर्यीकरण के लिए खोदे गए गड्ढे में भरे पानी में गिर गया है। आनन–फानन में घरवाले भागकर मौके पर पहुंचे तो पानी में समद की तलाश शुरू कर दी। थोड़ी देर बाद समद मिला। उसे गड्ढ से निकालकर इलाज के लिए ट्रामा सेंटर पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

केन्द्र सरकार ने 9 वर्ष में की महिला सुरक्षा पर केवल जुमलेबाजी : रालोद

संवाददाता

लखनऊ। राष्ट्रीय लोकदल के प्रदेश अध्यक्ष रामाशीष राय ने मणिपुर की शर्मनाक एवं हृदय विदारक घटना पर आक्रोश व्यक्त करते हुए कहा कि आजाद हिन्दुस्तान के इतिहास में कहीं भी इस प्रकार का कृत्य देखने को नहीं मिला परंतु देश का दुर्भाग्य है कि हमारे प्रधानमंत्री ने ऐसी घटना का संज्ञान ही नहीं लिया। उन्होंने कहा कि जब सर्वोच्च न्यायालय ने इस सन्दर्भ में सख्त टिप्पणी की तब अपने पुराने जुमलों की तरह प्रध ानमंत्री ने कह दिया कि कोई अपराध ी बख्शा नहीं जायेगा।श्री राय ने कहा कि विपक्ष के दल लगातार प्रधानमंत्री से सदन में मणिपुर घटना पर वक्तव्य देने की मांग कर रहा है परन्तु सत्ता पक्ष लगातार ऐसे नियम के अंतर्गत चर्चा का बहाना कर रहा है जिसमें प्रध ानमंत्री वक्तव्य देने से बच जाएं। लोकतंत्र के इतिहास में यह घटना बदनुमा दाग है। उन्होंने कहा कि सत्ता पक्ष के अन्य मंत्रियों एवं सदस्यों के द्वारा मणिपुर की घटना से आम जनता का ध्यान हटाने के लिए बंगाल और राजस्थान जैसी घटनाओं का जिक्र किया जा रहा है जो लोकतंत्र की शुचिता का स्पष्ट रूप से हनन है।रालोद प्रदेश अध्यक्ष रामाशीष राय ने कहा कि केन्द्र सरकार ने अपने 9 वर्ष के इतिहास में महिला सुरक्षा के नाम पर केवल जुमलेबाजी की है। चाहे उन्नाव की घटना रही हो अथवा हाथरस की, सभी जगह अपराधियों और दबंगों का ही पक्ष सरकार ने लिया है। जब न्यायालय का दबाव पड़ा तभी अपराधियों की गिरफ्तारी संभव हो सकी है। बेटी बचाओं बेटी पढाओं का नारा देकर सत्ता में आयी केन्द्र सरकार ने अपने प्रथम कार्यकाल के प्रारम्भ में ही बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय में निहत्थी छात्राओं पर पुलिस द्वारा बर्बरतापूर्ण लाठीचार्ज कराया था और हमारे प्रधानमंत्री घटना वाले दिन बनारस में ही मौजूद थे। उन्होंने कहा कि देश की जनता ने सभी घटनाओं का भली प्रकार संज्ञान लिया है।

संघ के जीवनव्रती प्रचारक श्रीकृष्ण दास की जयंती पर आयोजित हुई भविष्य का भारत एवं हमारी भूमिका" विषयक संगोष्ठी

डॉ एस. एस. महेश्वरी मेमोरियल सेवा फाउंडेशन की ओर से आयोजित की गई संगोष्ठी

हरदोई (अम्बरीष कुमार सक्सेना) । राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के जीवनव्रती प्रचारक श्रीकृष्ण दास जयंती के अवसर पर "भविष्य का भारत एवं हमारी भूमिका" विषयक संगोष्ठी का आयोजन डॉ एस. एस. महेश्वरी मेमोरियल सेवा फाउंडेशन की ओर से सोमवार को किया गया। संगोष्ठी का शुभारंभ भारत माता व जीवनव्रती प्रचारक स्व.श्रीकृष्ण दास के चित्रों पर पुष्पार्चन कर किया गया।

संगोष्ठी में मुख्य अतिथि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अखिल भारतीय बौद्धिक शिक्षण प्रमुख स्वान्तरंजन ने कहा कि भारत दुनिया का प्राचीनतम संस्कृति वाला देश है। भारत के ऋषियों व महापुरुषों ने ही विश्व को जीवन की दिशा दी है एवं अपने ज्ञान विज्ञान एवं पुरुषार्थ के बल पर ही वैभवशाली भारत का निर्माण किया था। विदेशी आक्रान्ताओं के समय लंबे संघर्ष के कारण हिन्दू समाज बिखर गया था और अपना सहजीवन भूल गया था। उन परिस्थितियों के कारण राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने 1925 से हिन्दू समाज को पुनः संगठित करने का काम प्रारंभ किया, व्यक्ति निर्माण से राष्ट्र निर्माण का संकल्प लेकर जो कार्य प्रारंभ हुआ था उसमें श्रीकृष्ण दास जैसे हजारों प्रचारकों की सेवा समर्पण व साधना का ही प्रतिफल है जिसके परिणाम स्वरूप आज हिन्दू समाज में परिवर्तन स्पष्ट रूप से दिख रहा है।

कहा, हमारे समाज में चार प्रकार के लोग हमें दिखाई देते हैं, इनमें से

कुछ सम्पन्न व सुखी लोग हैं उनके प्रति हमें मैत्री भाव, कुछ दीन दुखी हैं उनके प्रति दया करुणा का भाव, कुछ जो निरन्तर सत्कर्मों में लगे हुए हैं उनके प्रति आनन्द का भाव एवं कुछ ऐसे भी हैं जो पाप कर्मों में लगे हुए हैं, ऐसे दुष्टों के प्रति उपेक्षा का भाव रखकर हमें सम्पूर्ण समाज को जोड़ने का प्रयास करते रहना चाहिए। संघ के लाखों समर्पित कार्यकर्ता देश निर्माण के महान कार्य में लगे हुए हैं संघ सम्पूर्ण समाज की सज्जन शक्ति का आवाहन करता है अपने देश को पुनः विश्व गुरू की प्रतिष्ठा दिलाने के लिए हम सब मिलकर संकल्प लें हमारा प्रत्येक कार्य देश हित के लिए हो। साथ ही उन्होंने श्रीकृष्ण दास जीवन वृतांत की चर्चा करते हुए कहा कि 'नर सेवा नारायण सेवा' को ही अपने जीवन का ध्येय मानकर आजीवन समाज सेवा में लगे रहे, उनका जीवन हम सबके लिए बहुत ही प्रेरणादायी है। संगोष्ठी में विशिष्ट अतिथि वरिष्ठ प्रचारक वीरेंद्र ने स्व.श्री कृष्ण दास के जीवन पर विस्तार से प्रकाश डाला। उनके द्वारा शुरू किये गए सेवकार्यों की चर्चा भी की।

उद्बोधन से पूर्व कार्यक्रम का परिचय डॉ सुरेश अग्निहोत्री व फाउंडेशन के द्वारा किए जा रहे कार्यों के बारे में नवल माहेश्वरी ने विस्तार से बताया। इस अवसर पर स्व. श्रीकृष्ण दास द्वारा रचित पुस्तक ष्नर सेवा नारायण सेवाष के द्वितीय संस्करण का विमोचन भी मंच के द्वारा किया गया।

इस अवसर पर माँ भारती की सेवा में कार्य कर रहे जनपद के निवासी संघ के वर्तमान प्रचारक राम मनोहर पाण्डेय शिवराजपुर(भारतीय किसान संघ), शिवकुमार मिश्र तुर्तीपुर (हिन्दू जागरण मंच), एवं पूर्व प्रचारक शिव ओम पाण्डेय, अजय अवस्थी, अंबरीशज अग्रवाल, राकेश शर्मा को सम्मानित किया गया जबकि स्वर्गीय कार्यकर्ताओं में गंगा भक्त सिंह, त्रियुगीनाथ गुप्ता, शिवराज सिंह, रामबली मिश्रा, चंद्रहास मिश्रा, रामचन्द्र, रामाधार दीक्षित मदारा, रघुनाथ सिंह मुजाहिदपुर, रामसागर मिश्रा दृ शिरोमणि नगर, नरेशचंद्र मिश्रा, राधेश्याम रस्तोगी के परिवारीजनों का माल्यार्पण कर सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम में आरएसएस के प्रांत संघचालक कृष्णमोहन, प्रांत प्रचार प्रमुख डॉ अशोक कुमार दुबे, विभाग संघचालक शिवस्वरूप, जिला प्रचारक रवि, जिला कार्यवाह संजीव खरे, फाउंडेशन के संरक्षक बाल कृष्ण जिंदल, डॉ सीपी कटियार, डॉ अजय सिंह, डॉ ए.पी. सिंह, विधायक आशीष सिंह आशू, पूर्व जिलाध्यक्ष श्रीकृष्ण शास्त्री, राजेश अग्निहोत्री आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन अभय शंकर शुक्ला द्वारा जबकि धन्यवाद ज्ञापन आशीष माहेश्वरी द्वारा किया गया। कार्यक्रम के अन्त में गोलोकवासी राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के पूर्व सह सरकार्यवाह मदन दास देवी को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए दो मिनट का मौन भी रखा गया।

रफ्तार का कहर,एक ही परिवार के 5 लोगों की दर्दनाक मौत, मचा कोहराम

संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के एटा जिले में भीषण हादसा हो गया। एक कार बेबर बैराज नहर में गिर गई, जिसमें एक ही परिवार के 5 लोगों की मौत हो गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने रेस्क्यू के बाद शवों को बाहर निकाला।

कासगंज जिले के गंजडुंडवारा थाना क्षेत्र के गांव अंडुआ निवासी कुछ लोग महिला का इलाज कराने के लिए एटा लेकर आ रहे थे, तभी काली नदी का पुल पार करने के बाद तीव्र मोड़ पर कार अनियंत्रित होकर बेबर बैरज नहर में गिर गई। पुलिस व राहगीरों की सहायता से गाड़ी में फंसे लोगों को निकाला गया। सभी को एटा मेडिकल कॉलेज भेजा गया, जहां चिकित्सकों ने सभी को मृत घोषित कर दिया।मृतकों के नाम विनीता पत्नी नीरज, तेजेंद्र पुत्र जमुना प्रसाद, संतोष पुत्र तेजेंद्र, शिवम पुत्र राकेश और नीरज पुत्र जोधा सिंह बताए गए हैं। पांचों मृतक एक ही परिवार के सदस्य हैं। उत्तर प्रदेश के एटा जिले में सुबह–सुबह बड़ा हादसा हो गया। एक कार बेबर बैराज नहर में गिर गई, जिसमें एक ही परिवार के 5 लोगों की मौत हो गई। कासगंज जिले के गंजडुंडवारा थाना क्षेत्र के गांव अंडुआ निवासी कुछ लोग महिला का इलाज कराने के लिए एटा लेकर आ रहे थे, तभी काली नदी का पुल पार करने के बाद तीव्र मोड़ पर कारअनियंत्रित होकर बेबर बैरज नहर में गिर गई। मौके पर पहुंची पुलिस व राहगीरों की सहायता से गाड़ी में फंसे लोगों को निकाला गया। सभी को तत्काल ही एटा मेडिकल कॉलेज भेजा गया, जहां चिकित्सकों ने सभी को मृत घोषित कर दिया। मृतकों के नाम विनीता पत्नी नीरज, तेजेंद्र पुत्र जमुना प्रसाद, संतोष पुत्र तेजेंद्र, शिवम पुत्र राकेश और नीरज पुत्र जोधा सिंह बताए गए हैं। पांचों मृतक एक ही परिवार के सदस्य हैं।

हिन्दी सांध्य दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित ।

सम्पादक

श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0–7007415808,9628325542,9415034002

RNI संन्दर्भ संख्या – 24/234/2019/R-1

deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से सम्बन्धित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायलय होगा।